E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 87 | गुवाहाटी | शनिवार, 26 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत की विकास गाथा से जुड़ने का यह सही समय : पीएम पेज 2
टूर्नामेंट गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ियों के निर्माण में योगदान देगा : सोनोवाल पेज 3
किसान, युवा, महिला, मजदूर, हमारे लिए यही चार जातियां : मुख्यमंत्री पेज 5
इंडियन सुपर लीग 2024-25 : सदर्न डर्बी में भिड़ेंगे केरला ब्लास्टर्स... पेज 7

एडीआरई परीक्षा : कल राज्य में इंटरनेट सेवाएं रहेंगी बंद

गुवाहाटी। विभिन्न सरकारी प्रतिष्ठानों में चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षा के कारण 27 अक्तूबर को असम में सुबह 8.30 बजे से शाम 4 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी। असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजय तिवारी ने भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 की धारा 5 (2) के प्रावधान के तहत उक्त तिथि को पूरे राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के अस्थायी निलंबन के आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने का कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि इस बात की प्रबल आशंका है कि असामाजिक तत्व या संगठित समूह सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाकर स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे और परीक्षा प्रक्रिया को अस्थिर करने का प्रयास कर सकते हैं। शुक्रवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि असम सरकार ने मामले की सावधानीपूर्वक जांच की है और इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी सार्वजनिक परीक्षा आयोजित करने के हित में, लिखित परीक्षा आयोजित करने के लिए निर्धारित दिन परीक्षा के समय मोबाइल इंटरनेट/मोबाइल डेटा कनेक्टिविटी को अस्थायी रूप से अक्षम करने सहित सभी संभावित खामियों को दूर करना विवेकपूर्ण और समीचीन है। उल्लेखनीय है कि एचएसएलसी स्तर के पदों के लिए पहली पाली में सुबह 09 बजे से 11:30 बजे तक 1,484 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 8,27,130 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था और उस दिन असम के 28 जिलों में फैले 808 केंद्रों पर दोपहर 1.30 बजे से शाम 4 बजे तक दूसरी पाली में कक्षा आठवीं स्तर के पदों के लिए आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए 5,52,002 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। अधिसूचना में इस बात पर जोर दिया गया है कि असम सरकार लिखित परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करना चाहती है, ताकि केवल योग्यता के आधार पर सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित हो सके। परीक्षा के दौरान गड़बड़ी को रोकने के लिए, यह देखा गया है कि कुछ व्यक्ति पहले भी फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर), यूट्यूब और कैमस्कैनर जैसे विभिन्न मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके बेईमानी कर -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आचार संहिता

असम समझौते पर राज्य सरकार-आसू की वार्ता स्थगित

गुवाहाटी। असम समझौते के खंड 6 पर उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट के कार्यान्वयन के संबंध में असम सरकार और अखिल असम छात्र संघ (आसू) के बीच प्रस्तावित चर्चा, जो मूल रूप से आज के लिए निर्धारित थी, आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के कारण स्थगित कर दी गई है। आसू अध्यक्ष उत्पल शर्मा, कार्यवाहक महासचिव शोरजुन हंसे और मुख्य सलाहकार समुज्ज्वल भट्टाचार्य को लिखे एक आधिकारिक पत्र में असम सरकार ने कहा कि चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद चर्चा की नई तारीख तय की जाएगी। इससे पहले 25 सितंबर को एक बैठक हुई थी, जिसमें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बिप्लब कुमार शर्मा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को लागू करने पर चर्चा की थी। छात्र संगठन ने कहा कि उस बैठक के दौरान सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश सीमा के पास 12 पुलिस स्टेशन स्थापित करेगी राज्य सरकार

गुवाहाटी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करने के एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को रणनीतिक सीमावर्ती जिलों में 12 नए पुलिस स्टेशन स्थापित करने की योजना की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय को मजबूत करना, कानून प्रवर्तन को मजबूत करना और सीमा पार निगरानी में सुधार करना है। नियोजित बुनियादी ढांचे में 12 राज्य सीमा चौकियां शामिल हैं, तथा अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट नौ अतिरिक्त सीमा पुलिस स्टेशनों पर सक्रियता से विचार किया जा रहा है। ये नई सुरक्षा चौकियां असम के सीमावर्ती जिलों कछार, करीमगंज, धुबड़ी और दक्षिण सलमारा में स्थापित की जाएंगी, जिससे सीमा प्रबंधन मजबूत होगा और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। पिछले दो महीनों में असम पुलिस ने राज्य में प्रवेश करने का प्रयास -शेष पृष्ठ दो पर

दिवाली के लिए 28 को देंगे वेतन : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने 28 अक्तूबर को वेतन देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कहा कि दिवाली का विशेष उपहार! हमारे राज्य के कर्मचारियों के लिए दिवाली समारोह को विशेष बनाने के लिए, राज्य सरकार ने 28 अक्तूबर को उनके वेतन का भुगतान करने का निर्णय लिया है। दिवाली की शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री की इस घोषणा को लेकर राज्य सरकार के कर्मचारियों में खुशी छा गई है। सरकारी कर्मचारियों के बीच ऐसी चर्चा थी कि एक माह के वेतन में ही इस बार दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा और दीपावली मानना होगा।

पदयात्रा के दौरान केजरीवाल पर की हमले की कोशिश

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री और संयोजक अरविंद केजरीवाल पर विक्कासपुरी में पदयात्रा के दौरान हमले की कोशिश की गई। इस दौरान उनके साथ धक्का-मुक्की की गई, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आम आदमी पार्टी ने इस हमले के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी ने कहा कि पुलिस इस दौरान खड़ी रही और तमाशा देखती रही, जबकि भाजपा के गुंडों को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस घटना ने दिल्ली में राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और इस हमले की निंदा की है। यह घटना राजनीतिक तनाव को बढ़ाने वाली है और इस पर आगे की प्रतिक्रियाएं देखना -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

शत्रु दण्ड नीति के ही योग्य है।
- **आचार्य चाणक्य**

ज्ञानवापी शिवलिंग सर्वे मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका

पूरे परिसर का नहीं होगा एएसआई सर्वे : कोर्ट

वाराणसी। वाराणसी की अदालत ने ज्ञानवापी शिवलिंग सर्वे मामले में हिंदू पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर में पूजा करने और मंदिर बनाने का अधिकार मांगते हुए याचिका दाखिल की थी। इस याचिका में अतिरिक्त सर्वेक्षण की अनुमति देने का अनुरोध भी किया गया था, जिसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया। हिंदू पक्ष के वकील, विजय शंकर रस्तोगी ने कहा कि हमारी एप्लीकेशन खारिज कर दी गई है। रस्तोगी ने अपनी याचिका में यह तर्क दिया था कि ज्ञानवापी मस्जिद के मुख्य गुंबद के नीचे भगवान आदि विशेश्वर का एक 100 फीट का विशाल शिवलिंग और अरघा स्थित है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया था कि इस महत्वपूर्ण स्थल का पुरातात्विक सर्वेक्षण पेनिट्रेटिंग रडार की मदद से किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इससे इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को उजागर किया जा सकेगा। हालांकि, अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने न्यायालय के इस निर्णय पर निराशा व्यक्त करते हुए बताया कि वे इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। वाराणसी जिला अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। इस -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल में गैस लीक, छात्री की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के एक स्कूल में शुक्रवार को एक साथ 30 से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए। आंखों में जलन और चक्कर आने की शिकायत के बाद इन बच्चों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है, इन छात्रों की हालत ठीक है। इनमें से 3 बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। वहीं एनडीआरएफ के कमांडर एके चौहान ने इस मामले में कहा हैं कि फिलहाल, मैं सटीक कारण नहीं बता सकता। हमें अभी तक सटीक कारण का पता नहीं चल पाया है। -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस में टिकट बेचने की पुरानी परम्परा : हिमंत

रांची (हि.स.)। बरही से कांग्रेस के पूर्व नेता व विधायक उमाशंकर अकेला के दो करोड़ रुपए लेकर टिकट देने के आरोप वाले बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि मैं भी एक समय कांग्रेस में था। कांग्रेस में यदि एक स्टेट में 100 सीटें हैं तो 20 सीटें बिकती हैं। यह कांग्रेस की पुरानी परंपरा है। शर्मा ने कहा कि उमा शंकर अकेला ने जो बताया वह कोई नया बात नहीं है। हर राज्य में हमलोग देखते हैं कि कांग्रेस 20 प्रतिशत सीट बेचती है। मीर साहब पर कोई व्यक्तिगत आरोप लगाने से कोई फायदा नहीं है। यह कांग्रेस का सिस्टम है कि वे 20 प्रतिशत सीट बेच देते हैं। रांची में बागी उम्मीदवार वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि हर कोई चाहता है कि वह चुनाव लड़े और इसी को देखते हुए उनके द्वारा नामांकन भी की जाती है लेकिन नामांकन वापसी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चुनाव पूर्व हिंसा में घायल भाजपा कार्यकर्ता की मौत

नगांव। असम के नगांव जिले में चुनाव पूर्व हिंसा में कथित रूप से घायल हुए एक भाजपा कार्यकर्ता की शुक्रवार को मौत हो गई। मृतक बिपुल सैकिया गुरुवार को सामगुरी विधानसभा क्षेत्र के कावोइमारी इलाके में एक रैली के दौरान भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प में कथित तौर पर घायल हो गए थे। -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में 101 लोगों को उम्रकैद की सजा

कोप्पलस। कर्नाटक स्थित कोप्पल जिले की एक अदालत ने वंचित समुदाय की बस्ती में आग लगाने में 101 लोगों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों को हाल ही में दोषी ठहराया गया था और गुरुवार को अदालत ने सजा सुनाई। जाति आधारित हिंसा से जुड़ा यह मामला 28 अगस्त 2014 को गंगावती तालुका के मारकुंबी गांव का है। आरोपियों ने वंचित समुदाय के लोगों के घरों में आग लगा दी थी। वंचितों को नाई की दुकान और ढाबों में प्रवेश से मना करने को लेकर झड़प शुरू हुई थी। इस घटना के बाद राज्य के कई हिस्सों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इस मामले में 117 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें से 16 लोगों की सुनवाई के दौरान मौत हो गई। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार मामले पर फैसला सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश सी. चंद्रशेखर ने कहा कि इस तरह के मामले में दया दिखाना न्याय का मखौल उड़ाना होगा। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि घायल पीड़ित, पुरुष और महिला, अनुसूचित जाति से हैं और आरोपियों ने महिलाओं की गरिमा का हनन किया है, पीड़ितों पर लाठी, पत्थरों और ईंट के टुकड़ों से हमला किया है, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि आरोपियों को निर्धारित न्यूनतम सजा अवधि से अधिक अवधि की सजा दी जानी चाहिए। न्यायालय ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित -शेष पृष्ठ दो पर

बच्चों से भरी स्कूल वैन पर फायरिंग छात्रों पर भी हमला

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक दिल दहला देने वाली घटना में आज स्कूल वैन पर फायरिंग और पथराव किया गया। चार अज्ञात युवकों ने बाइक पर सवार होकर स्कूल वैन पर हमला कर दहशत फैलाई। वैन में कक्षा 4 के बच्चों समेत कुल 28 छात्र मौजूद थे, जो फायरिंग और पत्थरबाजी से चीख उठे। ड्राइवर मॉन्टी ने सूझबूझ दिखाते हुए वैन को तेजी से भगाते हुए बच्चों को सुरक्षित स्कूल तक पहुंचाया, जिससे किसी -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में फिर बिगड़े हालात

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास पर किया हमला, 30 घायल

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 22 अक्तूबर को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बंगभवन (राष्ट्रपति आवास) पर धावा बोल दिया। इस हिंसक घटना के दौरान 30 लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के खिलाफ तथा 1972 के पुराने संविधान को खत्म करने की मांग कर रहे थे, जिससे देश में तनाव और बढ़ गया है। यह प्रदर्शन उस समय शुरू हुआ जब अगस्त में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को राजनीतिक संकट के चलते 16 साल के शासन को समाप्त कर भारत भागना पड़ा। इसके परिणामस्वरूप, राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को हटाने की मांगों के साथ व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति ने हाल में कहा -शेष पृष्ठ दो पर

गाजा के खान यूनिस में इजराइल का हमला, 36 की मौत

तेल अबीब। गाजा पर इजराइल का हमला जारी है। शुक्रवार को हमले में 36 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कई बच्चे भी शामिल हैं। इसके साथ ही शुक्रवार को इजराइली हमले में लेबनान में तीन पत्रकारों की मौत हुई है। दूसरी ओर, गाजा में आपूर्ति की कमी हो रही है। इससे चिंता बढ़ गई है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में बेकरी के बाहर रोटी के लिए लोग लाइन में खड़े थे। उसी दौरान उन पर हमला किया गया, जिनमें कई लोगों की मौत हो गई। यह हमला संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के उस बयान के बाद हुआ है, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत की विकास गाथा से जुड़ने का यह सही समय : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 18वें एशिया प्रशांत जर्मन व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई स्थान नहीं है। उन्होंने विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत की विकास गाथा से जुड़ने का यह सही समय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, मांग और डेटा के चार मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। प्रतिभा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और बुनियादी ढांचा भारत के विकास के उपकरण हैं। इन सभी को आगे बढ़ाने के लिए भारत के पास आकांक्षी भारत (एआई) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दोहरी शक्ति है। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य की दुनिया की जरूरतों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत विविधीकरण और जोखिम-मुक्ति का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। भारत वैश्विक व्यापार और विनिर्माण केंद्र बन रहा है। भारत सड़कों और बंदरगाहों में रिकॉर्ड निवेश कर रहा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र दुनिया के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में विदेशी निवेशकों के लिए भारत की विकास गाथा में भाग लेने, *मेक इन इंडिया* पहल और *मेक फॉर द वर्ल्ड* में शामिल होने का यह *सही* समय है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब भारत की गतिशीलता और जर्मनी की सटीकता मिलती है, जब जर्मनी की इंजीनियरिंग और भारत का नवाचार मिलता है और जब जर्मनी की तकनीक और भारत की प्रतिभा मिलती है तब इससे इंडो-पैसिफिक सहित दुनिया का बेहतर भविष्य सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि आप सभी व्यवसाय की दुनिया से जुड़े हैं और आपकी प्राथमिकता व्यवसाय होता है लेकिन भारत आना केवल व्यवसाय नहीं है। यदि आप भारत की संस्कृति, भोजन और खरीदारी के लिए समय नहीं देते हैं तो आप कई चीजों से चूक जाएंगे। जर्मनी में कुशल भारतीय कर्मचारियों के लिए वीजा की संख्या को 20 हजार से बढ़ाकर 90 हजार करने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की स्किल्ड मैनपावर पर जर्मनी ने जो भरोसा जताया है, वो अद्भुत है।

जम्मू-कश्मीर में शांति-सुरक्षा कायम करने की केंद्र की नीतियां फेल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार की नीतियां सुरक्षा और शांति कायम करने में पूरी तरह फेल हैं। सरकार की इस पर जवाबदेही तय करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना के जवानों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। एक्स पर पोस्ट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सेना के वाहन पर कायरतापूर्ण हमले में हमारे बहादुर सैनिकों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टर की भी जान चली गई। मैं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से फेल रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि राज्य लगातार आतंकवादी गतिविधियों और हमारे सैनिकों पर हमलों और नागरिकों की हत्याओं के कारण खतरे में है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी तुरंत जवाबदेही लेनी चाहिए और घाटी में जल्द से जल्द शांति बहाल करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी आतंकी हमले में जान-माल के नुकसान पर कहा कि आतंकी कृत्यों के लिए जितनी भी निंदा की जाए वह पर्याप्त नहीं है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आतंकी हमले में दो जवानों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टरों की भी जान चली गई है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में हिंसा और आतंकवाद अस्वीकार्य है। उत्तरी कश्मीर में उड़ी सेक्टर के अंतर्गत गुलमर्ग में गुरुवार को आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला कर दिया था। सेना के दो जवान बलिदान हो गए थे। जबकि दो पोर्टर भी मारे गए थे। तीन अन्य जवान घायल हुए थे। हमले के बाद पूरे इलाके को घेरकर सुरक्षा बलों ने दहशतगर्दों की तलाश शुरू कर दी गई।

बीजापुर में सीआरपीएफ जवान ने खुद को मारी गोली

बीजापुर (हि.स.)। जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत पतरपारा में स्थित सीआरपीएफ 199 बटालियन में तैनात प्रधान आरक्षक ने ड्यूटी के दौरान अपनी सर्विस रायफल एके 47 से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए बीजापुर अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद एम्बोम्बिंग प्रकिया के लिए शुक्रवार को जवान के शव को मेकॉज जगदलपुर लाया गया। सीआरपीएफ अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा के रेवाड़ी निवासी पवन कुमार (44) सीआरपीएफ 199 बटालियन पतरपारा में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ था। वह मुख्यालय के टावर मोर्चा नंबर दो पर ड्यूटी पर था। उसने ड्यूटी के दौरान एके 47 से स्वयं पर गोली चला ली। घटना की जानकारी लगते ही आला अधिकारियों की टीम भी पतरपारा कैम्प पहुंची। जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए बीजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया।

तूफान दाना : पश्चिम बंगाल में एक की मौत

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में आए चक्रवाती तूफान *दाना* ने तबाही मचाई है, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। प्रशासन ने अब तक 2.16 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस संकट पर नियंत्रण के लिए रातभर राज्य सचिवालय में रहकर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री प्रभावितों तक पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि एक व्यक्ति घर पर तारों से जुड़ा काम कर रहा था। इस बीच हादसा हुआ और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी और यदि आवश्यक हुआ तो राज्य सरकार मृतक के परिवार की सहायता करेगी। ममता ने कृषि विभाग से चक्रवात से प्रभावित कृषि भूमि का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं ताकि किसानों को फसल बीमा का लाभ मिल सके। इस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए फसल बीमा की समय-सीमा को 31 अक्तूबर से बढ़ाकर 30 नवंबर तक कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में अगले 48 घंटों तक तैनात रहने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सागर द्वीप, डायमंड हार्बर (दक्षिण 24 परगना), संदेशखाली (उत्तर 24 परगना) और बशीरहाट जैसे क्षेत्रों में पानी भर गया है। इसके साथ बनगांव और बशीरहाट सब-डिवीजनों में भी जलभराव की समस्या बनी हुई है। उन्होंने अधिकारियों से सुनिश्चित करने को कहा कि सांप काटने की दवाएं सहित आवश्यक दवाएं प्रभावित लोगों तक समय पर पहुंचाई जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में हरियाली प्रभावित हुई है वहां फिर से पौधरोपण किया जाए।

अहमदाबाद में 50 बांग्लादेशी हिरासत में

अहमदाबाद। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में बांग्लादेशियों की घुसपैठ बढ़ गई है। कई राज्यों से अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी की खबरें भी आए दिन आती रहती हैं। इसी क्रम में गुजरात की क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद में बड़ी कार्रवाई की है। यहां क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद में अवैध रूप से रह रहे 50 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। क्राइम ब्रांच अहमदाबाद के डीसीपी अजीत राजियान ने इसकी जानकारी दी है।

दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सात शूटर्स को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शुक्रवार को पंजाब और आस-पास के राज्यों समेत देश भर के कई इलाकों से लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सात शूटरों को गिरफ्तार किया। लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल गुजरात के साबरमती की जेल में बंद है। वह पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या के मामले में मुख्य आरोपियों में से एक है। एडिशनल सीपी स्पेशल सेल प्रमोद कुमार कुशवाह ने बताया कि स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने सात शूटरों को गिरफ्तार किया है। पहली गिरफ्तारी 23 अक्तूबर को दिल्ली से हुई थी, रितेश की गिरफ्तारी हुई थी। राजस्थान से सुखाराम नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया था। पंजाब के अबोहर और सिरसा से भी गिरफ्तारियां हुई हैं। एडिशनल सीपी स्पेशल सेल ने आगे बताया कि वे राजस्थान में सुनील पहलवान नामक व्यक्ति की हत्या की योजना बना रहे थे। उन्होंने दो बार रेकी भी की। उनके पास से एक जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस भी बरामद की गई है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

कामरूप (हिंस)। दक्षिण कामरूप के मिर्जा में एक दुखद सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि ग्वालपाड़ा जा रही एक तेज रफ्तार बस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते समय हेमंत डेका नामक व्यक्ति को टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सारपारा गांव के रहने निवासी मृतक हेमंत डेका का घर दुर्घटनास्थल के करीब ही था।

घर में किसी के न होने के चलते चोरी

होजाई (हिंस)। होजाई जिले के लंका इलाके में चोरी की वारदात को फिर से अंजाम दिए जाने के चलते स्थानीय लोग काफी परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को बताया कि लंका के 6 नंबर वार्ड इलाके में स्थित फॉरेस्ट गेट के पास मंटू सैकिया नामक व्यक्ति के घर में चोर प्रवेश कर जमकर लूटपाट किया। चोर घर के पिछले दरवाजे की ग्रिल तोड़कर घर के अंदर प्रवेश कर गोदरेज का लॉकर तोड़ दिया। आलमारी से तीन भरी सोने के गहने के अलावा अन्य कई सामान चुराकर फरार हो गये। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। घटना की जानकारी मंटू सैकिया द्वारा स्थानीय पुलिस को दी गयी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम मामले की जांच शुरू कर दिया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन इलाके में चोरी की घटनाएं हो रही हैं।

ड्रग्स के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले की रुपहीहाट पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान रुपहीहाट के गोरोकी इलाके से वाहिदुल इस्लाम नामक एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से दो साबुनदानी में छुपा कर रखे गए ड्रग्स बरामद किए गये। गिरफ्तार तस्कर तेलियाचापरी का रहने वाला बताया गया है।

पति के सामने पत्नी का हुआ गैंगरेप, सौ से अधिक लोग हिरासत में

भोपाल। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया था, जिसने पूरे देश में शोक की लहर पैदा कर दी थी। अभी यह मामला पूरी तरह से शांत भी नहीं हुआ कि मध्य प्रदेश के रीवा से एक और भयावह मामला सामने आया है, जिसने समाज को फिर से शर्मसार कर दिया है। एक महिला अपने पति के साथ पिकनिक मनाने गई थी, जहां उसके साथ 5 लोगों ने दुष्कर्म किया। यह घटना इस बात की पुष्टि करती है कि महिलाएं अब भी सुरक्षित नहीं हैं, चाहे वे किसी भी स्थान पर जाएं। दरअसल, मध्यप्रदेश के रीवा जिले में एक नवविवाहिता महिला अपने पति के साथ पिकनिक मनाने गई थी जिसके साथ पांच लोगों ने दुष्कर्म किया, अब पुलिस ने इस मामले में 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कथित सामूहिक दुष्कर्म की यह घटना सोमवार को गुढ़ तहसील के एक भ्रमण स्थल की है। रीवा मुख्यालय की पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) हिमाली पाठक ने फोन पर बताया कि महिला की हाल ही में शादी हुई है। उसकी और उसके पति की उम्र 19 से 20 वर्ष के आसपास है और दोनों अभी कॉलेज में हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने वाले पांच लोगों में से एक के हाथ और छाती पर टैटू बना है। डीएसपी ने बताया कि पुलिस ने अपनी जांच के तहत 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। कथित सामूहिक दुष्कर्म को एक संवेदनशील मामला बताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी से काम कर रही है कि पीड़िता की पहचान उजागर न हो। दंपति ने मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे गुढ़ पुलिस थाने में संपर्क किया। डीएसपी ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के विशेषज्ञ और मैं मौके पर पहुंचे। पीड़िता का मेडिकल प्रशिक्षण कराया गया और उसी दिन शाम सात बजे प्राथमिकी दर्ज की गई। महिला के बयान का हवाला देते हुए डीएसपी ने बताया कि गुढ़ औद्योगिक क्षेत्र में एक प्रसिद्ध मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर एक फव्वारे के पास वह अपने पति के साथ बैठी हुई थी। इस दौरान कुछ दूरी पर पार्टी कर रहे आधा दर्जन दरिंदे नशे की हालत में वहां पहुंच गए। उन्होंने युवक को धमकाया और उसके साथ मारपीट की। अधिकारी के अनुसार, अपने बयान में महिला ने कहा कि फव्वारे के पास पांच लोगों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया।

पृष्ठ एक का शेष

असम समझौते पर ...

ने राज्य के अधिकार क्षेत्र के तहत अप्रैल 2025 तक 40 सिफारिशों को लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। इसने केंद्र सरकार से अपने अधिकार क्षेत्र के तहत 16 सिफारिशों पर पहल करने और असम सरकार, आसू और केंद्र को शामिल करते हुए एक त्रिपक्षीय चर्चा आयोजित करने का अनुरोध करने का भी वचन दिया। असम सरकार ने आज आसू के साथ इन सिफारिशों को लागू करने के लिए अपनी कार्ययोजना पर चर्चा करने की योजना बनाई थी, लेकिन राज्य में पांच विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए चुनाव आचार संहिता के कारण चर्चा को अब स्थगित कर दिया गया है। आसू को भेजी गई आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, उपचुनाव के बाद बैठक फिर से निर्धारित की जाएगी।

एडीआरई परीक्षा : कल...

चुके हैं, जो इंटरनेट/वाई-फाई कनेक्टिविटी पर निर्भर हैं, जिसके कारण मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करना पड़ा। इस बीच, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने 27 अक्तूबर को होने वाली असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए पांच जोड़ी परीक्षा विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। एनएफ रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि ये ट्रेनें दोनों दिशाओं में एक-एक ट्रिप के लिए संचालित की जाएंगी और इससे परीक्षार्थियों को काफी मदद मिलेगी। विशेष ट्रेनों में करीमगंज-सिलचर-करीमगंज (ट्रेन नंबर 05101/05102), मरियनी-नारंगी परीक्षा स्पेशल (ट्रेन नंबर 05119), हैबरगांव - गुवाहाटी-हैबरगांव) परीक्षा स्पेशल (ट्रेन नंबर 05139/05140) अलीपुरद्वार - शामिल हैं। कामाख्या परीक्षा विशेष (ट्रेन संख्या 05456) और जमीरा-सिलचर-जमीरा परीक्षा विशेष (ट्रेन संख्या 05679/05680)।

बांग्लादेश सीमा के ...

कर रहे 130 से अधिक अवैध आप्रवासियों को रोका है। नवीनतम घुसपैठ का प्रयास 22 अक्तूबर को विफल कर दिया गया, जिसमें असम पुलिस ने तीन व्यक्तियों के प्रवेश को रोक दिया, जिनकी पहचान हसमोत अली, बिथी खातून और रीमा खातून के रूप में हुई। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, सीएम शर्मा ने राज्य पुलिस की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की प्रशंसा की। सीमा पर बुनियादी ढांचे के विस्तार का यह कदम अवैध प्रवेश के खिलाफ कड़ी सतर्कता के प्रति असम की प्रतिबद्धता और अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए राज्य के चल रहे प्रयासों को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि ये घटनाक्रम असम के सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पूरे परिसर का ...

याचिका में एएसआई (आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) द्वारा सर्वे और सेंट्रल डोम के नीचे खुदाई करने का अनुरोध किया गया था, जिसे अदालत ने अस्वीकार कर दिया। हिंदू पक्ष अब इस फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील करने की तैयारी कर रहा है। यह कानूनी लड़ाई आगे बढ़ेगी और इस मामले के अगले चरण पर नजर रहेगी। कोर्ट ने एएसआई (आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) द्वारा ज्ञानवापी क्षेत्र के सुरक्षा और सर्वेक्षण से संबंधित आवेदन को भी खारिज कर दिया। इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि आगे की प्रक्रियाओं के लिए और समय लगेगा। हिंदू पक्ष अब उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहा है। यह देखा जाना बाकी है कि उच्च न्यायालय में इस मामले की सुनवाई कैसे होगी और क्या नए तथ्यों के आधार पर कोई बदलाव आएगा। ज्ञानवापी शिवलिंग सर्वे मामला भारत में एक संवेदनशील मुद्दा है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दोनों पहलुओं से जुड़ा हुआ है। वाराणसी कोर्ट का यह फैसला एक नई कानूनी लड़ाई की शुरुआत को दर्शाता है, जो उच्च न्यायालय में जारी रहेगी। हिंदू पक्षकार विजय शंकर रस्तोगी ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि मस्जिद के मुख्य गुंबद के नीचे भगवान आदि विशेश्वर का 100 फीट का विशाल शिवलिंग और अरघा स्थित है जिसका पेनिट्रेटिंग रडार की मदद से पुरातात्विक सर्वेक्षण होना चाहिए।

स्कूल में गैस ...

हमारी टीम ने आकर स्थिति का आकलन किया, सब कुछ सामान्य है, हमें किसी गैस की गंध नहीं आई...। वहीं इस मामले में एक छात्रा की मां का कहना है कि दो दिन पहले मेरी बेटी ने सांस लेने में कठिनाई और उल्टी की शिकायत की थी। उसने कल भी यही शिकायत की थी। आज उसे उल्टी हुई और चक्कर आ रहा था। लेकिन कुछ शिक्षकों ने कहा कि ऐसा व्यवहार न करें। उन्होंने ये भी कहा कि स्कूल ने हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी। फिर हमारी बेटी को एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिर हम उसे एक निजी अस्पताल में ले गए। अभी तक स्कूल प्रशासन ने हमें कुछ नहीं बताया है। हालांकि, अन्य रिपोर्टों से यह भी पता चलता है कि धुआं पास की किसी रासायनिक सुविधा से आया हो सकता है। अधिक खतरों से बचने के लिए, अधिकारी इस मुद्दे पर नजर रख रहे हैं और अभी भी देख रहे हैं कि रिसाव कहां से हुआ। यह घटना तमिलनाडु के होसुर में एक कॉर्पोरेशन मिडिल स्कूल में लगभग 100 बच्चों के दोपहर के भोजन के बाद अचानक बीमार पड़ने के कुछ दिनों बाद हुई है।

कांग्रेस में टिकट...

की तारीख तक इन्हें मनाया भी जाता है। उन्होंने कहा कि एनडीए की ओर से प्रत्येक सीट पर 1-1 प्रत्याशी खड़ा किया जा रहा है लेकिन इंडी गठबंधन का हाल आप देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की सीट पर दो-दो, तीन-तीन उम्मीदवार खड़े हो रहे हैं। शर्मा ने आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो को नामांकन करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि विपरीत मौसम के बावजूद हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से स्पष्ट होता है कि एनडीए के प्रति लोगों का रुझान क्या है। उन्होंने एनडीए के सभी सहयोगी दलों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि सुदेश महतो सिल्ली विधानसभा क्षेत्र से एक बार फिर रिकॉर्ड वोटों से जीतेंगे। साथ ही कहा कि झारखंड में एनडीए की जीत तय है। झारखंड में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि वादे के अनुसार, सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में ही गोगो दीदी योजना से झारखंड की युवतियों व महिलाओं के खाते में 2100 रुपए हर माह दिए जाएंगे। डेढ़ लाख नौकरी एक साल में देंगे। लोगों को बालू और साल में दो त्योहारों पर दो गैस सिलेंडर फ्री देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरियाणा, असम व मध्य प्रदेश में भाजपा ने जो वादा किया, उसे पूरा किया। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झारखंड को घुसपैठियों से बचाना है। असम की हालत भी इसी तरह के थे। 20 प्रतिशत मुसलमानों की संख्या बढ़ते-बढ़ते घुसपैठियों की संख्या 45 प्रतिशत हो गई। बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी बदल रही है लेकिन सत्तारूढ़ झामुमो इस मुद्दे पर चुप है। क्योंकि, वे उनके वोट बैंक हैं। यही हालत झारखंड के भी हो जायेंगे।

कर्नाटक में 101 ...

जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(फोर) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने अपने आदेश की शुरुआत में अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका मैरियन एंडरसन को कोट करते हुए कहा कि कोई भी राष्ट्र कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह अपने सबसे कमजोर लोगों से अधिक मजबूत नहीं होता है और जब तक आप किसी व्यक्ति को नीचे रखते हैं, तब तक आपका कुछ हिस्सा उसे नीचे रखने के लिए नीचे रहेगा। इसलिए इसका मतलब है कि आप उतनी ऊंचाई नहीं छू सकते, जितनी आप अन्यथा छू सकते हैं। लाइव लॉ के अनुसार दोषी करार दिए जाने पर कुछ आरोपियों ने दलील दी कि सभी ने झोपड़ियों में आग नहीं लगाई थी। उन्होंने अदालत से यह भी आग्रह किया कि उनकी साधारण पृष्ठभूमि पर भी विचार किया जाए, क्योंकि उनमें से कुछ किसान, कुली और दिहाड़ी मजदूर थे।

बच्चों से भरी...

भी बच्चे को चोट नहीं आई। घटना से पूरे शहर में सनसनी फैल गई। हमले के बाद मॉन्टी ने बताया कि वह बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहा था जब तीन बाइक सवार हमलावरों ने उसकी वैन को रोका और फायरिंग शुरू कर दी। ड्राइवर ने तुरंत बच्चों को सीटों के नीचे छुपने को कहा और वैन को बिना रुके भगाया। हमलावर लगातार फायरिंग और पथराव करते रहे, लेकिन मॉन्टी ने वैन को सुरक्षित स्कूल और फिर थाने तक पहुंचाया। पुलिस को सूचना मिलने के बाद आला अधिकारी और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और घटना की जांच शुरू कर दी। शुरुआती जांच में पता चला कि हमलावरों और ड्राइवर के बीच 21 अक्तूबर को एक सड़क हादसे को लेकर विवाद हुआ था, जिसके चलते यह हमला किया गया। पुलिस ने वैन को जब्त कर लिया है और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। घटना ने बच्चों के माता-पिता को भी चिंतित कर दिया है, और वे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति...

था कि उनके पास शेख हसीना के इस्तीफे का कोई प्रमाण नहीं है, जिससे आम लोगों में आक्रोश भर गया। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने मीडिया से बातचीत में दावा किया था कि 5 अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे का कोई सबूत उनके पास नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार राहत कोष के माध्यम से इस्तीफा हासिल करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। हालांकि, 5 अगस्त को उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें हसीना का इस्तीफा प्राप्त हुआ है। इस विरोधाभास की वजह से विधि मामलों के सलाहकार आसिफ नजरूल ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ने झूठ बोला और यह उनके पद की शपथ का उल्लंघन है। मंगलवार शाम को, जैसे ही प्रदर्शनकारी बंगभवन के पास जुटने लगे, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल का प्रयोग किया। विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम पांच लोग घायल हुए, जिनमें दो पत्रकार भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठियों का प्रयोग किया, लेकिन भीड़ ने आगे बढ़ना जारी रखा, जिससे हालात और भी बिगड़ गए। *डेली रिपोर्ट* के अनुसार, एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट के प्रमुख छात्र नेता हसनत अब्दुल्ला और सरजिस आलम मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांति से हटने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि विरोध शांतिपूर्ण ढंग से चलना चाहिए। छात्रों ने गुरुवार तक नए राष्ट्रपति का चुनाव कराने का राजनीतिक दलों से आग्रह किया, साथ ही यह चेतावनी दी कि अगर समय सीमा तक कोई समाधान नहीं निकला, तो वे सड़कों पर उतरेंगे। छात्र नेताओं ने अपनी पांच सूत्री मांगों में बांग्लादेश के 1972 के संविधान को हटाने, राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को बर्खास्त करने, संविधान में चुनावी सुधार लाने, राष्ट्रीय चुनाव की प्रक्रिया को पुन: स्थापित करने और नागरिक अधिकारों की रक्षा को शामिल किया है।

गाजा के खान यूनिस...

जिसमें उन्होंने कहा था कि इजराइल ने हमास को खत्म करने के अपने उद्देश्य को पूरा कर लिया है और दोनों पक्षों से बातचीत को फिर से शुरू करने का आग्रह किया है। दूसरी ओर, दक्षिण-पूर्वी लेबनान में पत्रकारों के ठहरने वाले गेस्टहाउस पर इजराइल ने हमला बोला। इस हमले में तीन मीडियाकर्मियों की मौत हो गई। एसोसिएटेड प्रेस की तस्वीरों से साफ है कि विभिन्न मीडिया आउटलेट्स द्वारा किराए पर ली गई इमारत हमले में पूरी तरह से ढह चुकी है। प्रेस लिखी हुई कारें हमले के बाद धूल और मलबे से ढकी हुई थीं। इजरायली सेना की ओर से हमले से पहले किसी तरह की कोई चेतावनी जारी नहीं की। समाचार नेटवर्क और लेबनानी राजनेताओं के प्रतिनिधियों ने इजरायल पर युद्ध अपराध और जानबूझकर पत्रकारों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। बेरूत स्थित पैन-अरब अल-मायादीन टीवी ने हमले के बाद जारी बयान में कहा कि हमले में उसके दो पत्रकार प्रसारण तकनीशियन मोहम्मद रिदा और कैमरा ऑपरेटर घासन नजर की मौत हो गई है। लेबनान के हिजबुल्लाह समूह के अल-मनार टीवी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हमले में उसके कैमरा ऑपरेटर विसम कासिम की भी मौत हुई है। यह हमला उस समय हुआ, जब वे कवरेज के लिए इलाके में रह रहे थे। अल-मायादीन के निदेशक घासन बिन जिद्दो ने आरोप लगाया पत्रकारों के आवास वाले परिसर पर इजराइली हमला जानबूझकर किया गया था और यह उन लोगों पर लक्षित था जो इसके सैन्य हमले के तत्वों को कवर कर रहे थे। लेबनान के सूचना मंत्री जियाद मकरी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह एक हत्या है। यह हमलानिगरानी और ट्रैकिंग के बाद की गई है। पूर्व नियोजित और योजनाबद्ध तरीके से पत्रकारों को हत्या की गई है।

चुनाव पूर्व हिंसा में ...

पुलिस ने बताया कि इस घटना में पत्रकारों समेत कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं। हालांकि पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि सैकिया की मौत हिंसा में लगी चोटों के कारण हुई है या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि मौत की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अरूप ज्योति कलिता ने कहा कि हमें मौत के बारे में पता चला है, लेकिन हमें मौत के संभावित कारण के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। मंत्री जयंत मल्ल बरुआ ने सैकिया की मौत की पुष्टि की और कांग्रेस समर्थकों द्वारा हमला किए गए एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कांग्रेस, विशेषकर रकीबुल हुसैन - जिनके बेटे तंजील विपक्ष के उम्मीदवार हैं - पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री हुसैन ने इस वर्ष के प्रारंभ में धुबड़ी से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद सीट खाली करने से पूर्व 23 वर्षों तक सामागुरी का प्रतिनिधित्व किया था। सामगुरी से भाजपा उम्मीदवार दिप्लू रंजन शर्मा ने सैकिया के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी मृत्यु व्यर्थ नहीं जाएगी तथा लोग मतदान के माध्यम से न्याय की मांग करेंगे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हुसैन ने सामगुरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली पर हमला किया, जबकि भगवा पार्टी के सदस्यों ने भी कांग्रेस समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए एक अलग शिकायत दर्ज कराई है। इसके अलावा, स्थानीय पत्रकारों द्वारा दो अन्य शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। इस बीच, शर्मा ने बरुआ, कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका और केशव महंत तथा प्रदेश भाजपा प्रमुख भाबेश कलिता सहित भाजपा और सहयोगी एजीपी के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

पदयात्रा के दौरान ...

महत्वपूर्ण होगा। पार्टी के नेता और समर्थक अब सुरक्षा और न्याय की मांग कर रहे हैं। वहीं इस पूरे मामले पर दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि भाजपा से जुड़े लोगों ने विक्कासपुरी में अरविंद केजरीवाल की पदयात्रा के दौरान उन पर हमले की कोशिश की। उन्होंने इस घटना को गंभीर रूप से लिया है और इसे राजनीतिक हिंसा का उदाहरण बताया। भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि अगर अरविंद केजरीवाल की जान को कोई खतरा होता है, तो उसके लिए भाजपा जिम्मेदार होगी। इस प्रकार के हमले राजनीतिक माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना सकते हैं, और आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के नेता अब सुरक्षा और न्याय की मांग कर रहे हैं।

टूर्नामेंट गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ियों के निर्माण में योगदान देगा : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ जिला खेल संघ द्वारा 25 से 30 अक्तूबर तक आयोजित यूएनईएक्स सनराइज अखिल भारतीय सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। यह टूर्नामेंट 13 वर्ष से कम आयु के लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में आयोजित किया जा रहा है। पूरे भारत से एथलीट, अधिकारी और प्रतिनिधि इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ में पहली बार अखिल भारतीय रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करना एक बड़ी उम्मीद और खुशी की बात है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट की समग्र सफलता की कामना की और आयोजकों की मजबूत भूमिका की सराहना की तथा खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट राज्य में गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ियों के निर्माण में योगदान देगा और खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। खेलों ने सदियों से मानव समाज को एक सूत्र में बांधे रखा है।

खेलों में वह महान शक्ति है जो सद्भाव के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास को प्राप्त करने में मदद करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पिछले एक दशक में असम और पूरे देश में खेल क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। असम में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों की सफल मेजबानी ने असम को खेल मानचित्र की जीवनरेखा बना दिया है। पिछले एक दशक में खेल क्षेत्र के समग्र विकास ने स्वस्थ भारत के निर्माण में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। यहीं पर दीपक भट्टाचार्य जैसे प्रसिद्ध एथलीट, जिन्होंने दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया, ने ओलंपिक में भारत की पदक तालिका बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करके गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ी तैयार करने में डायम योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। असम ने अस्मिता चालिहा जैसे कई युवा बैडमिंटन खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असम के साथ-साथ पूरे देश का नाम रोशन किया है। हमारी सरकार में ऐसे बेहतर खेल माहौल बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि डिब्रूगढ़ में योनेक्स-सनराइज ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट खेल के सशक्तिकरण की इस निरंतर यात्रा को एक नई गति देगा। इस कार्यक्रम में विधायक तेरस ग्वाला, चक्रधर गोगोई, तरंग गोगोई, असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रितुपर्ण बरुवा, डिब्रूगढ़ नगर निगम के मेयर चैकट पात्रा, डिप्टी मेयर उज्ज्वल फूकन और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

करीमगंज में युवती की आत्महत्या को लेकर सनसनी

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज टाउन में एक युवती की आत्महत्या को लेकर सनसनी फैल गई है। कमलिका भट्टाचार्य नामक युवती का शव उसके घर में फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया। घटना शहर के पुराने मिशन रोड स्थित पगलापट्टी की है। कमलिका का शव घर की पहली मंजिल पर मिला। करीमगंज सदर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया। शव के पास से एक डायरी बरामद हुई है। डायरी में एक युवक का नाम लिखा हुआ है। कमलिका ने आत्महत्या का फैसला राजेश दास नामक युवक के साथ अपने प्रेम संबंधों के कारण लिया। कमलिका भट्टाचार्य अपने मामा के परिवार के साथ टॉप फ्लोर पर खाना खाने के बाद पहली मंजिल पर आ गई थीं। शव को आज तड़के घर पर काम करने वाली महिला ने देखा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

असम उपचुनाव : अंतिम दिन 24 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया

गुवाहाटी (हिंस)। असम में पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए 13 नवंबर को होने जा रहे उपचुनाव के लिए शुक्रवार को आखिरी दिन कुल 24 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। 11 नंबर धोलाई के लिए तीन उम्मीदवारों ने, 31 नंबर सिदली के लिए एक, 32 नंबर बंगाईगांव के लिए पांच, 88 नंबर सामागुरी के लिए 12 तथा 77 नंबर बिहाली विधानसभा क्षेत्र के लिए 3 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। इन नामांकनों के साथ ही नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या 38 हो गई है। उपचुनाव में भाजपा ने तीन सीटों धोलाई, सामागुरी और बिहाली पर अपने उम्मीदवार को उतारा है, जबकि बंगाईगांव सहयोगी पार्टी अगप और सिडली सीट सहयोगी पार्टी यूपीपीएल को दी है। कांग्रेस ने पांचों सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारा है। कांग्रेस पहले बिहाली की एक सीट अपने संयुक्त गंठबंधन सहयोगी वामपंथी पार्टी के लिए छोड़ी थी, लेकिन पार्टी के अंदर मचे घमाशान के बाद बिहाली सीट पर भी कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार उतार दिया है।

मार्घेरिटा में जंगली हाथी के हमले में एक की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा में जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि मार्घेरिटा थाना क्षेत्र के सीमा फील्ड में हुए हादसे में जंगली हाथी ने रंजीत गड़ नामक एक व्यक्ति को उसके घर से खींचकर बाहर निकाला और मार डाला। घटना के बाद मार्घेरिटा वन विभाग और मार्घेरिटा पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने शव को बरामद किया और थाने ले गई।

विश्वनाथ में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

विश्वनाथ (हिंस)। विश्वनाथ में हुई सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि तेल टैंकर (एएस-01एलसी- 1950) की ठोकर से व्यक्ति की मौत हो गयी। विश्वनाथ में पवई रोड पर चारी सरनिया में यह हादसा हुआ। तेल टैंकर ने बिना नंबर प्लेट वाले बाइक को जोरदार ठोकर मार दी। बाइक पर दो व्यक्ति सवार थे। हादसे में बाइक चालक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि, एक अन्य सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को विश्वनाथ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों की खबर लिखे जाने तक पहचान नहीं हो पाई है।

नकली सोना बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले की रंगिया पुलिस ने नकली सोना बेचने के आरोप में एक ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के कानिकुची इलाके में चलाऐ गए अभियान के दौरान नकली सोना बेचने के आरोप में कानिकुची निवासी सुलेमान अली को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी का अन्य साथी फरार होने में सफल रहा। नकली सोना खरीदने के लिए बिहार के बेतिया जिला के विश्व पुरवा पुलिस चौकी अंतर्गत सानीसारी गांव के बबलू कुमार चौधरी और जान्ना कुमार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी सुलेमान अली बिहार से आए दोनों युवकों से डेढ़ लाख रुपए लेकर एक किलोग्राम के नकली सोने के कटे हुए नाव बेचने की कोशिश कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी का अन्य साथी बिहार से आए दोनों युवकों से डेढ़ लाख रुपए लेकर मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर इस मामले में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है।

सुपारी से लदा ट्रक जब्त, दो गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के काजीरंगा के बागड़ी इलाके से पुलिस की टीम ने अवैध रूप से सुपारी ले जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान बागड़ी पुलिस द्वारा (यूपी-82एटी-9208) नंबर के ट्रक को जब्त किया गया। ट्रक में अवैध तरीके से 350 बोरी सुपारी की तस्करी की जा रही थी। ट्रक में बरामद की गई सुपारी डिमापुर से मध्य प्रदेश ले जायी जा रही थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश के प्रेम किशोर और लाल सिंह को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक के चालक और खलासी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

असम में चक्रवात *दाना* का प्रभाव हल्की बारिश से बढ़ी ठंड

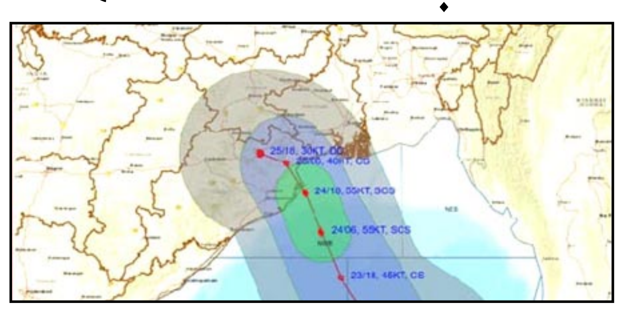

गुवाहाटी (हिंस)। बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवाती तूफान *दाना* से निचले तथा मध्य असम के कई जिले प्रभावित हुए हैं। गुवाहाटी के साथ-साथ राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। इस बारिश के कारण तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक की कमी आई है। मौसम विभाग के मुताबिक असम में शनिवार तक बारिश हो सकती है। कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है। विभाग ने 27 अक्तूबर की सुबह असम में कोहरे होने का भी अनुमान लगाया है। गुवाहाटी में अधिकतम् तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम् तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ड्रग्स के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के पानबाजार इलाके की पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाते हुए मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर बीती मध्य रात्रि को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम द्वारा पानबाजार थाना क्षेत्र के तहत गुवाहाटी रेलवे स्टेशन की पार्किंग में छापा मारा गया। छापेमारी के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से हेरोइन बरामद की गई। गिरफ्तार तस्कर के पास से हेरोइन भरी हुई 30 शीशियां, जिनका वजन 40.94 ग्राम, 4 हजार 10 रुपये, एक लाइटर बरामद किया गया।

होजाई के डॉ. चंद्रप्रकाश ठाकुर *वाग्भट* अवार्ड से सम्मानित

होजाई (निसं)। होजाई के डॉ. चंद्रप्रकाश ठाकुर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस), रायपुर द्वारा वाग्भट अवार्ड प्रदान किया गया। आज संस्थान के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। उन्हें यह सम्मान उनके डॉक्टर ऑफ मेडिसिन, 2020 में हर विभाग में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लिए प्रदान किया गया। गौरतलब है कि, डॉ. चंद्रप्रकाश ठाकुर होजाई के रामकृष्ण मिशन रोड निवासी अवकाशप्राप्त शिक्षक मणिकांत-नीलम ठाकुर के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी विद्यालय तक की पढ़ाई स्थानीय गांधी विद्यापीठ हाईस्कूल से पूरी की। इसके बाद हायर सेकेंडरी की पढ़ाई गुवाहाटी के कॉटन कॉलेज से व एमबीबीएस की पढ़ाई गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज से। उसके बाद चिकित्सक के रूप में ग्रामीण अंचल में सेवाएं दिए। इसके बाद सिलचर मेडिकल कॉलेज से उन्होंने एमडी की पढ़ाई की व हाल ही में जो उन्हें सम्मान प्राप्त हुआ है डॉक्टर ऑफ मेडिसिन की पढ़ाई उन्होंने एम्स,रायपुर से पूरी की। आज दीक्षांत समारोह के दिन उन्हें गोल्ड मेडल व वाग्भट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

नवनिर्मित वृद्धाश्रम का शुभारंभ 29को, तैयारियां पूरी

नगांव जिला माहेश्वरी सभा ने प्रदान की कुर्सी तथा डायनिंग टेबल

नगांव (निसं)। भारत सेवाश्रम संघ द्वारा नगांव जिले के नोनोई क्षेत्र मे एक नवनिर्मित वृद्धाश्रम की स्थापना की लगभग तैयारी पूर्ण कर ली गई है। उक्त वृद्धाश्रम का शुभारंभ 29 अक्तूबर को होने जा रहा है। उद्घाटन समारोह के दौरान बढ़मपुर क्षेत्र के विधायक जीतू गोस्वामी मुख्य अतिथि के रुप मे उपस्थित रहेगें। इस दिन कई धार्मिक आयोजन के साथ वृद्धाश्रम का शुभारंभ होगा। आश्रम के प्रमुख शिशिर महाराज ने बताया कि आश्रम मे फिलहाल दस वृद्धाओं को रखने की व्यवस्था कर ली गई है और उक्त आश्रम पूर्ण रूप से निःशुल्क रहेगा। उन्होंने बताया कि नगांव की अग्रणी सामाजिक संस्था नगांव जिला माहेश्वरी सभा ने समाज-सेवा का मनोभाव रख कर 50 कुर्सी तथा दो डायनिंग टेबल आश्रम को प्रदान की है। इस अवसर पर

माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संपत कुमार धूत, सचिव महावीर झंवर, कोषाध्यक्ष अमित सोनी, पूर्व सचिव जगदीश दरक, भगवती प्रसाद झंवर, सदस्य परमेश्वर बिहानी, विद्या प्रकाश धूत भी उपस्थित थे। आश्रम के प्रमुख शिशिर महाराज ने आह्वान किया कि कोई आश्रम को सहयोग करना चाहे तो उनसे संपर्क कर सकते है।

मनाह राष्ट्रीय उद्यान में देशी, विदेशी पर्यटकों का सैलाब

चिरांग (हिंस)। वर्ल्ड हेरिटेज साइट मनाह नेशनल पार्क पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। 27 सितंबर को जब से नेशनल पार्क का प्रवेश द्वार पर्यटकों के लिए खोला गया है, तभी से नेशनल पार्क में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की भीड़ बढ़ गई है। जानवरों की मुक्त आवाजाही पर्यटकों को रोमांचित कर रही है। जीप सफारी और हाथी सफारी के माध्यम से बाघों, गैंडों, हाथी, जंगली भैंसों, टोपी वाले बंदरों के साथ-साथ पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों की मुक्त आवाजाही को देखकर पर्यटक रोमांचित हो रहे हैं। ज्ञात हो कि मनाह में पर्यटकों की संख्या में पूर्व की तुलना में काफी वृद्धि हुई है। इस बीच, मनाह आने वाले विदेशी पर्यटक मनाह के पास बोड़ो युवक युवतियों के साथ बागरुम्बा नृत्य की में भी शामिल हो रहे हैं।

ट्रैक्टर में अवैध रूप से लाद कर ले जा रहे लकड़ी जब्त

कोकराझाड़। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-169/5 से लगभग 05 किलोमीटर भारत की ओर फुलवारी-1 फॉरेस्ट एरिया में गश्ती के दौरान अवैध रूप से कटे हुए इमारती लकड़ियों को ट्रैक्टर ट्रॉली पर लाद कर ले जा रहे वन माफियों को देख कर सशस्त्र सीमा बल ने उनका पीछा किया, अपनी ओर आ रहे एसएसबी की टीम को देखते ही वन माफियों ने ट्रैक्टर और उसमें लदी इमारती लकड़ियों को जगंल में छोड़कर भाग गए। तदोपरांत कटी हुई इमारती लकड़ी व ट्रैक्टर को जब्त किया गया। जब्त किए गए अवैध लकड़ी व ट्रैक्टर को वन विभाग कार्यालय देवश्री को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

बक्सा सम्मेलन कृषि नवाचार और सहकारी विकास को बढ़ावा देता है

बक्सा। मैं प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) से अपना फोकस बढ़ाने का आग्रह करता हूं राशन वितरण से परे के उद्घाटन भाषण के दौरान बीटीसीएलए के अध्यक्ष कतीराम बोड़ो ने कहा के सामने बथौफुरी फुटबॉल मैदान में आज सफल एक दिवसीय सम्मेलन सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बाक्सा जिला न्यायालय, उन्होंने बागवानी और जलीय कृषि जैसे नए उद्यमों की खोज को प्रोत्साहित किया बीटीआर सीईएम प्रमोद बोड़ो के तहत क्षेत्र की व्यापक विकास रणनीति पर जोर दिया गया नेतृत्व, प्रतिभागियों से विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने का आग्रह करता है। ईएम कोऑपरेशन के उकील मुचाहारी ने महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की और रेखांकित किया कौशल विकास का महत्व। उन्होंने सक्रिय समाजों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की सदस्यों से उपलब्ध सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। राकेश ब्रह्मा, ईएम मत्स्य पालन, पशुपालन एवं पशुचिकित्सक ने वैज्ञानिक सुअर की क्षमता पर चर्चा की वित्तीय स्थिरता के लिए खेती और समाज के सदस्यों को महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. बहस केवीके बाक्सा के विषय विशेषज्ञ डेका ने पशुओं की आय सृजन क्षमता के बारे में विस्तार से बताया खेती, किसानों को अपनी प्रथाओं को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना।

सीएचडी कोऑपरेशन के जयंता खेरकटारी ने केंद्रीय के सक्रिय कार्यान्वयन पर अपडेट साझा किए मोती की खेती और बागवानी पहल सहित योजनाएं। डॉ. धृतिरंजय राय, एडीओ बाक्सा, सहकारी सदस्यों के लिए मक्के के माध्यम से स्थानीय फीड मांगों को पूरा करने के अवसर पर जोर दिया गया उत्पादन एवं बीज संवर्धन। श्री असम पर्ल डेवलपमेंट कोऑपरेटिव सोसाइटी के उपाध्यक्ष रुलेन हजारिका ने प्रकाश डाला मोतियों का बढ़ता बाजार, प्रसिद्ध किसान एवं उद्यमी अकबर अली अहमद ने साझा की ड्रैगन फ्रूट, मौसंबी और माल्टा की खेती के अनुभव, किसानों को प्रशिक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं बेहतर पैदावार। एसबीआई आरसेटी, बाक्सा के श्री सुनील ब्रह्मा ने विभिन्न निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तुत किए उपलब्ध है, जिसमें सिलाई और बकरी पालन भी शामिल है। डॉ. बाक्सा की डीआरसीएस नबनिता पाठक ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया। उपस्थित लोग दिन भर चले सम्मेलन में सारनबिल को 1,000 मसल्स का औपचारिक वितरण शामिल था सहकारी समिति द्वारा चार सहकारी समितियों को प्रिंटर-सह-फोटोकॉपी मशीन का प्रावधान, और जैविक सहित विभिन्न सहकारी समितियों के उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले दस स्टालों की प्रदर्शनी सामान, हस्तशिल्प और खाद्य पदार्थ।

No.BKS/Tender/2024-25/351 *Date 25/10/2024*

SHORT NOTICE INVITING BIDS

O.O No. BKS/SOIL/43: Sealed Bids (lenders) are invited for technical and financial bids, in prescribed formats, affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and twenty five paisa) only from the intending Govt. Registered Contractors/ Firms of APWD, WR, IRR, etc. for implementation of the following schemes which will be received up to 2-00 PM on 16.11.2024 and opened on the same date at 2-30 PM on 16.11.2024 in presence of the Bidders or their authorized agents. Separate sealed and superscribed envelopes are to be used for both technical and financial bids and put them together in a single envelope. If due to certain unavoidable circumstances, the Bids cannot be opened on the aforesaid date, the same will be opened on the next working day. The qualified parties, only in respect of the technical bids, will be eligible for competing in the financial bids. Bid documents can be obtained from the office of the undersigned from 25.10.2024 up to 2-00 PM on 16.11.2024 on working days by Rs.250.00 (Two Hundred Fifty) only as Tender processing fee for each work in the form of IPO.

Detailed terms and conditions, plan and estimates and Bid documents may be obtained from the office of the undersigned on or before 23.10.2024 during office hours.

Sl. No.	Name of Scheme	Estimated Amount (Rs. In Lakh)	Location	Earnest money (in Rs.)	Time of Completion (Days)	Tender fee (JPO)
1	Construction of RCC Check Dam at Chandanpur	14.40	Chandanpur	General) 2% SC/ST/OBC/ MOBC) 1%	45 days	Rs. 250.00
2	Construction of GCP at Digholipar	15.00	Digholipar	General) 2% SC/ST/OBC/ MOBC) 1%	45 days	Rs. 250.00
3	River Training Project at Barkata Village	15.00	Barkata	General) 2% SC/ST/OBC/ MOBC) 1%	45 days	Rs. 250.00
4	RTP near Shiva Mandir at Similiguri Village	15.00	Similiguri	General) 2% SC/ST/OBC/ MOBC) 1%	45 days	Rs. 250.00

Major terms of References:.

1. The work order will be served as per the decision of the competent authority
2. A bidder is eligible for **2** (two) nos. of works during one financial year
3. Payment will be made subject to availability of fund in the budget.

Sd/-
Divisional Officer,
Baksa S.C. Division, Mushalpur

IPR(BTC)/C/2024-25/789

संपादकीय

मोदी-जिनपिंग संवाद के मायने

पांच साल के बाद प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई और करीब 50 मिनट तक बातचीत हुई। यह एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय प्रयास माना जा सकता है। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए। अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वजों की पृष्ठभूमि में मुलाकात हुई। कुछ मुस्कराए भी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात की जो शैली होती है, वह गायब रही। दोनों नेता आलिंगनबद्ध नहीं हुए। मुलाकात में गर्मजोशी और अंतरंगता महसूस नहीं हुई। इस द्विपक्षीय संवाद को अंतिम और निर्णायक भी नहीं माना जा सकता। एक तानाशाह किस्म के देश और एक लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच ऐसी मुलाकात और बातचीत, बेशक, एक महत्वपूर्ण कदम है। उसके जरिए आगे का रास्ता तय किया जा सकता है। यह दो समान शक्तियों के दरमियान समान स्तर का संवाद भी नहीं था, क्योंकि चीन भारत से करीब 6 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। सामरिक स्तर पर भी चीन एक 'वैश्विक महाशक्ति' है। फिर भी 5 साल के गतिरोध के बाद चीन भारत के साथ द्विपक्षीय बातचीत को सहमत हुआ, इसे प्रत्येक लिहाज से कमतर नहीं आंकना चाहिए। चीन भारत को प्रतिस्पद्र्धी नहीं, सहयोगी मानता है, यह चीन की नई सोच है। दोनों नेताओं ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने और सेनाओं के पीछे हटने के समझौते का स्वागत किया है। दोनों नेता मानते हैं कि उनकी सीमाओं पर शांति और स्थिरता रहनी चाहिए। सीमा विवाद निपटाने के लिए विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। भारत की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन से विदेश मंत्री वांग यी जल्द ही औपचारिक बैठकें शुरू करेंगे। राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा है कि चीन और भारत को एक-दूसरे के प्रति अच्छी धारणा रखनी चाहिए। पड़ोसी होने के नाते सद्भाव से रहने के लिए सही रास्ता खोजने पर काम करना जरूरी है। दोनों का मानना है कि भारत-चीन के संबंध उनके देशों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अहम हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि परस्पर विश्वास, परस्पर सम्मान और परस्पर संवेदनशीलता के आधार पर ही दोनों देशों के संबंध तय होने चाहिए। लब्बोलुआब यह रहा कि दोनों देश शांति, स्थिरता, सद्भाव, सौहार्द के पक्षधर हैं, लेकिन सवाल है कि क्या ऐसा संभव और व्यावहारिक होगा? अधिकतर राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ बार-बार यह कह रहे हैं कि चीन की फितरत पर भरोसा नहीं करना चाहिए और भारतीय सैनिकों को हरदम सचेत रहना चाहिए। दरअसल भारत 1947 और चीन 1949 में स्वतंत्र हुए। उस दौर में दोनों ही देश समान स्थितियों में थे। 1960, '65,'70,'80 और 1987 के कालखंडों तक भारत-चीन की अर्थव्यवस्था में कोई खास अंतर नहीं था। हालांकि भारत 23.2 लाख करोड़ रुपए की जीडीपी के साथ चीन की 22.7 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था से आगे था। 1990 के दशक में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने देश की अर्थव्यवस्था को खोला और आर्थिक उदारीकरण, भूमंडलीकरण का दौर शुरू हुआ। वहीं से चीन ने हमें पीछे करना शुरू किया। चीन ने कृषि का निजीकरण किया। उसे वामपंथी शासन और कायदे-कानूनों से मुक्त रखा। चीन ने गांव-गांव में औद्योगिक जोन बनाए, नतीजतन ग्रामीणों का शहर की ओर पलायन नहीं हुआ। गांव में ही रोजगार का प्रबंध किया गया। भारत में जातियों पर राजनीति चल रही थी और गठबंधन सरकारें बेहद अनिश्चित और अस्थिर थीं। चीन के लोगों ने रात-दिन मेहनत की। वहां उस दौर में किसान की औसत सालाना आमदनी 15 लाख रुपए थी, जबकि भारत में यह औसत 1.5 लाख से भी कम थी। चीन ने तय किया कि 9 साल तक स्कूल में पढ़ना अनिवार्य होगा। शिक्षा के साथ-साथ कौशल पर भी गहरा ध्यान दिया गया।

दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए। अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वजों की पृष्ठभूमि में मुलाकात हुई। कुछ मुस्कराए भी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात की जो शैली होती है, वह गायब रही। दोनों नेता आलिंगनबद्ध नहीं हुए। मुलाकात में गर्मजोशी और अंतरंगता महसूस नहीं हुई। इस द्विपक्षीय संवाद को अंतिम और निर्णायक भी नहीं माना जा सकता। एक तानाशाह किस्म के देश और एक लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच ऐसी मुलाकात और बातचीत, बेशक, एक महत्वपूर्ण कदम है। उसके जरिए आगे का रास्ता तय किया जा सकता है। यह दो समान शक्तियों के दरमियान समान स्तर का संवाद भी नहीं था, क्योंकि चीन भारत से करीब 6 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। सामरिक स्तर पर भी चीन एक 'वैश्विक महाशक्ति' है। फिर भी 5 साल के गतिरोध के बाद चीन भारत के साथ द्विपक्षीय बातचीत को सहमत हुआ, इसे प्रत्येक लिहाज से कमतर नहीं आंकना चाहिए। चीन भारत को प्रतिस्पद्र्धी नहीं, सहयोगी मानता है, यह चीन की नई सोच है।

जम्मू कश्मीर में इतना कुछ बदल गया जिसको समझने समझाने में समाजविज्ञानियों को पसीना आने लगा

जम्मू-कश्मीर में नई शुरुआत

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मुफ्ती साहिब के इंतकाल के बाद उनकी बेटी सैयदा महबूबा मुफ्ती राज्य की मुख्यमंत्री बन गई थीं। मुफ्ती परिवार का यह राजयोग भाजपा के समर्थन पर टिका था। वैसे यह भी अपने आप में सातवां आश्चर्य ही था कि जनसंघ/भाजपा शुरू से ही स्वदेशी का ही समर्थन करती रही हैं, लेकिन जब कश्मीर में राजसत्ता देने की बात आई तो फैसला सैयदों के हक में दे दिया। इससे राज्य के गुज्जर, दलित और पसमांदा मुसलमान भाजपा से रुष्ट भी हुए थे। लेकिन अब यह पुरानी बात है। वैसे भी हालात कुछ ऐसे बने कि भाजपा ने अपना सहयोग वापस ले लिया। जाहिर है इससे मुफ्ती परिवार के हाथ की लकीरें भी बदल गईं।

उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर की कमान संभाल ली है। 2014 में उन्हें पीडीपी के मुफ्ती मोहम्मद सैयद ने अपदस्थ कर दिया था। वैसे कश्मीर में सैयदों की और देसी मुसलमानों की लड़ाई बहुत पुरानी है। मुफ्ती साहिब के इंतकाल के बाद उनकी बेटी सैयदा महबूबा मुफ्ती राज्य की मुख्यमंत्री बन गई थीं। मुफ्ती परिवार का यह राजयोग भाजपा के समर्थन पर टिका था। वैसे यह भी अपने आप में सातवां आश्चर्य ही था कि जनसंघ/भाजपा शुरू से ही स्वदेशी का ही समर्थन करती रही हैं, लेकिन जब कश्मीर में राजसत्ता देने की बात आई तो फैसला सैयदों के हक में दे दिया। इससे राज्य के गुज्जर, दलित और पसमांदा मुसलमान भाजपा से रुष्ट भी हुए थे। लेकिन अब यह पुरानी बात है। वैसे भी हालात कुछ ऐसे बने कि भाजपा ने अपना सहयोग वापस ले लिया। जाहिर है इससे मुफ्ती परिवार के हाथ की लकीरें भी बदल गईं। लेकिन उसके बाद जम्मू कश्मीर में इतना कुछ बदल गया जिसको समझने समझाने में समाजविज्ञानियों को पसीना आने लगा। इतना ही नहीं, पाकिस्तान से लेकर अमेरिका तक में हडक़म्प मच गया। अमेरिका ने बहुत ही चालाकी से भारत को इस मुद्दे पर घेरा हुआ था। दुनिया भर को विश्वास दिला रखा था कि जम्मू कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का विषय है। इन गोरे लोगों ने चाल इतनी ख़ूबसूरती से चली थी कि भारत में भी बहुत से लोग विश्वास करने लगे थे कि कश्मीर दोनों देशों में विवाद का कारण है। इस भ्रम को बनाए रखने के लिए भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 था ही। कश्मीर घाटी में तो इस मृगमरीचिका का शिकार होकर बहुत से कश्मीरी भी आजादी-आजादी चिल्लाते हुए, पाकिस्तान के साथ जाने के सपने देखने लगे। इसलिए सैयदों की इन अरबी चालों और गोरों की नस्ली चालों को सदा के लिए दफनाने के लिए भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को ही हटा दिया। हडक़म्प मचना तय ही था। लेकिन ज्यादा हो-हल्ला तीन डेरों पर ही मचा। पहला डेरा

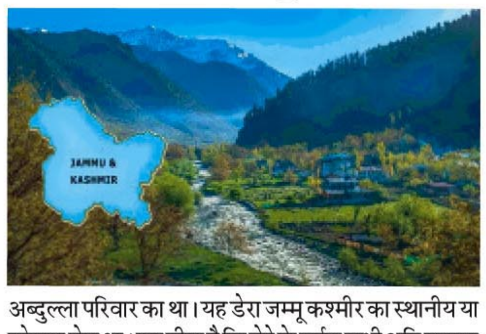

अब्दुल्ला परिवार का था। यह डेरा जम्मू कश्मीर का स्थानीय या लोकल डेरा था। यह ठीक है कि डेरे के पूर्वज कभी अति उत्साह में अरबी शेख बनने चले थे, शायद कश्मीरियों को डराने के लिए ही। लेकिन वे जल्दी समझ गए कि दूसरों के कपड़े पहन कर देवदार को खजूर समझने से मानसिक तनाव ही बढ़ता है, इसलिए वे जल्दी ही नकली शेख की वर्दी उतार कर अपने देसी लोगों में ही शामिल हो गए। दूसरा डेरा सैयदों का था। वे अभी भी देवदारों पर खजूरें लगने की तरकीबें तलाश रहे थे। तीसरा डेरा उन अलगाववादियों का आकार ले रहा था जिनका नियंत्रण तो एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के विदेशी मुसलमानों के हाथ में ही था, लेकिन मजहब के नाम पर उन्होंने कुछ देसी कश्मीरी भी अपने डेरे में बिठा रखे थे। जैसे ही अनुच्छेद 370 खत्म हुआ हड़बड़ाहट में ये तीनों डेरे गुपकार के नाम पर एक साथ रोने लगे। लेकिन इतनी बेसुरी आवाजें निकलीं कि उसमें कश्मीर कहीं सुनाई नहीं दे रहा था। देसी डेरे ने तो अरसा पहले ही अरबी शेख बनने का गैर कश्मीरी रास्ता छोड़ दिया था। वह समय की चाल को भी समझ गया था और समय के महत्व को भी। फिर वह जम्मू कश्मीर का देसी डेरा था, राज्य के देसी मन को कैसे न समझता! अरबी डेरे न तो कश्मीर के मन को समझ पाए और न ही समय की चाल को। यही कारण है कि राज्य के विधानसभा चुनाव में अरबी डेरे उखड़ गए और देसी डेरों ने धमाल मचा दी। जम्मू संभाग में भाजपा ने झंडे गाड दिए और कश्मीर संभाग में अब्दुल्ला परिवार की नैशनल कान्फ्रेंस ने अंगद की तरह पैर जमा दिया। उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनना ही था, लेकिन अनुमान इस बात को लेकर लगाया जा रहा था कि विधानसभा में बहुमत हासिल करने के बाद भी क्या वे राज्य के भीतर की देसी अभिलाषा को पढ़ते रहेंगे या फिर विदेशी भाषा की चालों में फंस जाएंगे। उमर के मंत्रिमंडल को देख कर लगता है वे भूतकाल से निकल कर भविष्य के रास्ते पर चलने का निर्णय कर चुके हैं। चुनाव से पहले नैशनल कांन्फ्रेंस ने कांग्रेस से समझौता किया हुआ था। जम्मू संभाग की अधिकांश सीटें राहुल गांधी के हवाले करते हुए उसे उसी का मंत्र भी याद दिला दिया था, जिसकी जितनी संख्या भारी उतनी उसकी हिस्सेदारी। लेकिन राहुल गांधी संख्या लेकर हाजिर हुए महज छह की। उसमें भी पांच लोग तो उमर अब्दुल्ला के इलाके कश्मीर के ही थे और जीते भी नैशनल कान्फ्रेंस की मदद से ही थे। कांग्रेस के प्रधान मल्लिकार्जुन खडग़े दिल्ली में बुढ़ापा नृत्य करते रहे कि जम्मू कश्मीर में इंडी गठबंधन जीत गया है, लेकिन उमर ने अपने मंत्रिमंडल में कांग्रेस को शामिल ही नहीं किया। अलबत्ता राहुल गांधी ने यह भ्रम फैलाने की कोशिश जरूर की कि जब तक जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक उनकी पार्टी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी। कश्मीर से सकीना इट्टू को मंत्री बनाया गया है। कश्मीर से दूसरे मंत्री जावेद अहमद डार मंत्री बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री समेत कश्मीर संभाग से तीन सदस्य हैं। उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर संभाग और जम्मू संभाग में संतुलन बनाने का प्रयास किया है। राजौरी जिला में उनकी पार्टी के सुरेन्द्र चौधरी जीते थे। उनको राज्य का उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। यह अलग बात है कि चौधरी पीडीपी से शुरू करके, भाजपा से होते हुए नैशनल कान्फ्रेंस तक पहुंचे हैं। पुंछ जिला से नैशनल कान्फ्रेंस के ही जावेद अहमद राणा मंत्री बनाए गए हैं। इस प्रकार पीर पंजाल से दो मंत्री हो गए। लेकिन जम्मू के मैदानी इलाकों का क्या किया जाए? उमर इसे छोड़ सकते थे।

दृष्टि कोण

धर्मपुर में राज्य स्तरीय स्कूली खेल

मंडी जिले का दूरदराज उपमंडल धर्मपुर बिना खेल मैदानों के खेल में काफी पिछड़ा है। धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर के प्रयासों से पहले बाबा कमलाहिया के आंचल में बने राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर के खेल मैदान को विकसित किया गया और फिर पिछले सप्ताह अंडर चौहद वर्ष आयुवर्ग बालकों के राज्य स्तरीय खेलों का सफल आयोजन भी करवाया गया, जहां शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर शुभारंभ व खेल मंत्री यादविंद्र गोमा समापन पर मुख्य अतिथि थे। खेलें आज के आधुनिक युग में मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई हैं। खेल किसी सभ्यता के लिए कितने जरूरी हैं, इस बात का अंदाजा मनुष्यों को रोज मिलने वाली सूचनाओं से भी पता चलता है। समाचारपत्रों में प्रतिदिन एक पूरा पृष्ठ खेल समाचारों के लिए होता है। ओलंपिक खेलों की पदकतालिका से किसी भी देश की तरक्की व खुशहाली का पता आसानी से चलता है। संसार के विकसित देश ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते देखे जा सकते हैं। अमेरिका सहित क्रमशः सभी विकसित देश पदकतालिका में शीर्ष पर मिलते हैं। हमारे देश में भी जो राज्य हर प्रकार से समृद्ध हैं, वे खेलों में भी अग्रणी हैं। आज जब गांव का जीवन खत्म होकर शहरीकरण होता जा रहा है, इससे शारीरिक श्रम बिल्कुल खत्म हो रहा है। इसलिए सामान्य फिटनेस के लिए अधिक से अधिक खेल सुविधाओं की जरूरत बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। हिमाचल प्रदेश के बजट में इसलिए भी खेल क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के लिए बहुत ज्यादा धन की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा वर्षों से तैयार पड़ा-पड़ा खंडहरों में तबदील हो रहा है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। प्रशिक्षकों की नियुक्ति के मामले में भी खेल विभाग बहुत पीछे है। विभाग के पास बहुत कम प्रशिक्षक हैं, कई खेलों में तो पूरे जिला स्तर पर एक भी प्रशिक्षक नियुक्त नहीं है। इस बजट में सौ विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों व इतने ही मैदान कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए धन का प्रावधान होना चाहिए। बहुत अधिक खेल सुविधाओं व प्रशिक्षकों की नियुक्ति इसलिए भी जरूरी हो जाती है क्योंकि आज का युवा ही नहीं, किशोरावस्था से ही हमारी आगामी पीढ़ी नशे के अंधेरे में गुम हो रही है। अधिक खेल सुविधाएं व प्रशिक्षक होंगे, तो अधिक संख्या में युवाओं को फिटनेस मिलेगी व नशे से दूरी भी बनेगी। जब बहुत अधिक खिलाड़ी मैदान का रुख करेंगे तो उन्हीं में से कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी मिल जाएंगे। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद अधिकतर खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश में महाविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में विद्यार्थी पंजाब व अन्य पड़ोसी राज्यों के खेल विंगों का रुख अख्तियार करते हैं। हिमाचल प्रदेश के जिन जिन महाविद्यालयों में जिस खेल की सुविधा है, उस खेल का छात्रावास या विंग चलाने के लिए बजट में धन राशि इस बजट में रखी जाए। व्यक्तिगत खेलों में जो खिलाड़ी बिना किसी सरकारी सहायता के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें खेल छात्रावासों में रह रहे खिलाडिय़ों पर होने वाले खर्च के बराबर वजीफा देने का भी प्रावधान रखा जाए। हिमाचल प्रदेश में पिछले कई सालों से पंजाब की तर्ज पर राज्य खेल संस्थान बनाने की बात हो रही है। इस खेल संस्थान का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश की खेलों को ऊंचाई तक ले जाने के लिए उच्च प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर राज्य की टीमों को राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित करना व हिमाचल प्रदेश के स्कूलों-कालेजों में कार्यरत शारीरिक शिक्षकों को उनके द्वारा खेले व प्रशिक्षित खेल में उच्च दक्षता हासिल करने के लिए सेमिनार आदि लगाना प्रमुख कार्य होंगे। इस तरह के संस्थान के निर्माण के लिए क्या बजट में सरकार उपयुक्त धन राशि रख रही है? जिला व राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए राज्य खेल परिषद अनुदान देती है, मगर राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की भागीदारी के लिए खेल संघों व खिलाडिय़ों को स्वयं खर्च उठाना पड़ता है। क्या सरकार खेल संघों के अनुदान को बढ़ाने का प्रावधान कर रही है? स्कूली खेलों से भविष्य के स्टार खिलाड़ी निकलते हैं। स्कूल ही खिलाडिय़ों की नर्सरी होते हैं। भविष्य के स्टार खिलाड़ी यहीं से निकलते हैं। हिमाचल प्रदेश के उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों से लिए गए खेल शुल्क से आयोजित करवाई जाती हैं। इन खेल प्रतियोगिताओं में धन की किल्लत आम तौर पर देखी जा सकती है। इसलिए खंड स्तर से लेकर राज्य स्तर की स्कूली खेल प्रतियोगिताओं के लिए धन का प्रावधान अनिवार्य रूप से होना चाहिए। हिमाचल प्रदेश में आधे-अधूरे पड़े खेल ढांचे को पूरा करने के लिए बजट में माकूल धन राशि का प्रावधान किया जाए। राज्य का जलवायु खेल प्रशिक्षण के लिए यूरोप व अमेरिका जैसा है। यहां पर एक अच्छा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जा सकता है। देश व विदेश के खिलाड़ी यहां आकर गर्मियों में ट्रेनिंग शुल्क देकर कर सकते हैं। इससे खेल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। बजट में ऐसी नई योजना को भी धन रखा जाए।

कुछ अलग

अरब-इजरायल संघर्ष

एक अक्टूबर को ईरान की तरफ से इजरायल पर 150 से भी ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए जाने के बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि इजरायली सेना (आईडीएफ) इसका बदला शीघ्र लेगी? गौरतलब है कि ईरान के मिसाइल हमलों के तुरंत बाद ही आईडीएफ और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा भी था कि ईरान को सही समय पर सही तरीके से जवाब दिया जाएगा और हाल के दिनों में इजरायल से जुड़ी मीडिया की कुछ खबरों से ये संकेत भी मिलने लगे थे कि इजरायल ने ईरान पर प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करने की तैयारी पूरी कर ली है। 14-15 अक्तूबर को इससे संबद्ध आई खबरों के मुताबिक इजरायली सेना ने कथित तौर पर ईरान के उन ठिकानों की सूची भी तैयार कर ली थी, जिन पर वह तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के जवाब में हमले करना चाहता था। फस्र्टपोस्ट की रिपोर्ट में यह दावा 'चैनल 12' न्यूज के हवाले से किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार इजरायली सेना ने ईरान पर हमले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योव गैलेंट को लक्ष्यों की एक सूची सौंपी थी। साथ ही उसने यह स्वीकार भी किया था कि आईडीएफ के लक्ष्य बिल्कुल साफ एवं स्पष्ट हैं और अब वह कभी भी जवाबी हमला कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि इजरायल ने ईरान पर हमले की योजना के बारे में अपने सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी अमेरिका को भी बता दिया है, लेकिन अमेरिका को हमले के विशिष्ट लक्ष्यों पर कोई अपडेट नहीं दिया है। रिपोर्ट में इसकी वजह यह बताई गई थी कि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील होने के कारण इजरायल अंतिम समय में भी अपना लक्ष्य बदल सकता है। इस मामले में आई ताजा खबरों के अनुसार इजरायल ईरानी परमाणु तथा ऊर्जा स्थलों पर हमले करने से बचेगा। ऐसा माना जाता है कि इजरायल ने अमेरिकी विरोध के बाद अपनी योजना बदल दी, अन्यथा पहले उसकी मंशा तेहरान में परमाणु साइट तथा ऊर्जा स्थलों और बुनियादी ढांचों पर हमला करने की थी। हालांकि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से यह कहा गया है कि वे अमेरिका की सलाह तो सुनेंगे, लेकिन अंतिम निर्णय स्वयं करेंगे। इन सारी बातों को लेकर अभी दुनिया भर में ऊहापोह की स्थिति कायम थी। मीडिया कर्मियों, राजनीतिक विश्लेषकों, रक्षा विशेषज्ञों एवं मध्य-पूर्व से जुड़े मुद्दों पर राय रखने वाले तमाम विशेषज्ञों द्वारा तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे और तभी अचानक इजरायल की ईरान पर हमले की उस योजना से जुड़ा दस्तावेज लीक हो गया, जिसके बाद दुनिया भर में इजरायल की बड़ी फजीहत हुई। गौरतलब है कि लीक हुए दस्तावेज 15 एवं 16 अक्तूबर की तारीख वाले हैं, जिन पर 'टॉप सीक्रेट' की मुहर लगी हुई है। खबरों के अनुसार 18 अक्तूबर को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के 'मिडिल ईस्ट स्पेक्टेटर' नामक अकाउंट पर इन्हें शेयर किया गया था। हालांकि इन दस्तावेजों के लीक होने के बाद शुरुआती दौर में ऐसा लगा था कि यह सारा मामला फर्जी है, परंतु इसी बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि कर दी। बहरहाल, होना यह चाहिए कि अरब-इजरायल संघर्ष का अब तुरंत शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए।

देश दुनीया से

कृषि व किसान को समृद्ध करने का मंत्र

देश में इस समय कुल 8.55 लाख को-ऑपरेटिव सोसायटीज़ हैं और इनमें 29 करोड़ लोग सीधे तौर से शामिल हैं, जिन्हें इससे रोजगार और वित्तीय सुरक्षा मिलती है। विश्व के सबसे बड़े 300 को-ऑपरेटिव में भारत के इफको, कृभको और अमूल इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। इन्होंने करोड़ों भारतीयों को न केवल रोजगार दिया है बल्कि उन्हें सम्मानजनक जिंदगी भी दी है। भारत का सहकारिता क्षेत्र कृषि ऋण देने में भी ऊंचा स्थान रखता है। भारत के कुल कृषि ऋण का 20 फीसदी इस क्षेत्र के जरिये बंटता है। कृषि उत्पादन में भी इसका बड़ा योगदान है और हमारी कुल कृषि उपज का 21 फीसदी इसी क्षेत्र से आता है। भारत की चीनी मिलों के बारे में तो सभी जानते हैं। को-ऑपरेटिव सेक्टर की चीनी मिलें कुल चीनी का 31 फीसदी उत्पादित करती हैं। गेहूं और चावल की खरीद में भी इस क्षेत्र का बड़ा योगदान है।

भारत को 2028 तक पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का इरादा है, और इसमें जिन तत्वों और सेक्टर के योगदान की जरूरत पड़ेगी, उनमें एक है सहकारिता क्षेत्र। यह भारतीय कृषि की रीढ़ है और इससे ही कृषि और कृषक समृद्ध हो रहे हैं। दुनियाभर में जितने भी सहकारिता संगठन हैं, उनका 27 फीसदी अकेले भारत में है, और उससे देश की कुल जनसंख्या का 20 फीसदी हिस्सा जुड़ा हुआ है। देश में इस समय कुल 8.55 लाख को-ऑपरेटिव सोसायटीज़ हैं और इनमें 29 करोड़ लोग सीधे तौर से शामिल हैं, जिन्हें इससे रोजगार और वित्तीय सुरक्षा मिलती है। विश्व के सबसे बड़े 300 को-ऑपरेटिव में भारत के इफको, कृभको और अमूल इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। इन्होंने करोड़ों भारतीयों को न केवल रोजगार दिया है बल्कि उन्हें सम्मानजनक जिंदगी भी दी है। भारत का सहकारिता क्षेत्र कृषि ऋ्रण देने में भी ऊंचा स्थान रखता है। भारत के कुल कृषि ऋ्रण का 20 फीसदी इस क्षेत्र के जरिये बंटता है। कृषि उत्पादन में भी इसका बड़ा योगदान है और हमारी कुल कृषि उपज का 21 फीसदी इसी क्षेत्र से आता है। भारत की चीनी मिलों के बारे में तो सभी जानते हैं। को-ऑपरेटिव सेक्टर की चीनी मिलें कुल चीनी का 31 फीसदी उत्पादित करती हैं। गेहूं और चावल की खरीद में भी इस क्षेत्र का बड़ा योगदान है। निःसंदेह, इस क्षेत्र में वह क्षमता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच खरब डॉलर के लैंडमार्क तक ले जा सकता है। इसे ही ध्यान में रखकर वर्ष 2021 में एक नया स्वतंत्र मंत्रालय बनाया गया, जिसे सहकारिता मंत्रालय का नाम दिया गया। इसकी कमान गृह मंत्री के हाथों में सौंपी गई। मंत्रालय का जोर कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के अलावा उसे सशक्त बनाने पर है और उसमें उसे सफलता मिल रही है। इस मंत्रालय ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य सामने रखा है और वह देश की दो लाख पंचायतों में अगले पांच वर्षों में बहूद्देशीय प्राथमिक क्रेडिट सोसायटियों यानी पैक्स का गठन करने के महत्वपूर्ण कार्य में जुटा हुआ है। इनमें से अब तक 12,000 से भी ज्यादा का पंजीकरण हो चुका है और शेष इसी रास्ते पर हैं। दरअसल, सहकार से समृद्धि का जो विजन रखा गया है उसके लिए देश में सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में यह स्थायित्व को बढ़ावा दे, जो आगे चलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इन नये पैक्स, डेयरी तथा मत्स्य पालन सहकारिता सोसायटीज को हर पंचायत में गठित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सहकारिता मंत्रालय ने नाबार्ड, एनडीडीबी और एनएफडीबी के साथ मिलकर उन पंचायतों में, जो अभी इसके अंतर्गत नहीं आई हैं, बड़ी संख्या में छोटे तथा सीमांत किसानों को जोड़ना शुरू कर दिया है। इसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जबर्दस्त असर पड़ेगा। प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटीज को 300 तरह की ई-सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है जिनमें बैंकिंग, बीमा, आधार पंजीकरण और उनके अद्यतन की व्यवस्था है। अगले पांच वर्षों में मंत्रालय 70,000 नये बहूद्देशीय पैक्स गठित करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। इसके अलावा, वह बड़े पैमाने पर नये बहूद्देशीय डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटीज और 6,000 नये मत्स्य पालन को-ऑपरेटिव भी स्थापित करना चाहता है। वर्तमान के 46,500 डेयरी को-ऑपरेटिव और लगभग 5,500 मत्स्य पालन को-ऑपरेटिव भी मजबूत किये जायेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित कई स्कीमों की मदद ली जायेगी। इसके साथ ही 25,000 नये पैक्स, डेयरी और मत्स्य को-ऑपरेटिव गठित करके राज्य सरकारें भी इस दिशा में योगदान करेंगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 को संयुक्त राष्ट्र ने सहकारिता का वर्ष घोषित किया है। उस साल का थीम होगा—को-ऑपरेटिव बनाते हैं एक बेहतर दुनिया। इसके लिए राजधानी दिल्ली में नवंबर महीने में इसका बाकायदा उद्‌घाटन होगा। भारत को-ऑपरेटिव सेक्टर में सबसे बड़ी विकेन्द्रित अनाज भंडारण योजना पर काम कर रहा है। इसमें 27 राज्य और केन्द्रशासित राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के सभी बड़े को-ऑपरेटिव फेडरेशन आयेंगे। इसने व्हाइट रिवोल्यूशन 2.0 को भी सभी के सामने रखा है। यह नई श्वेत क्रांति महिलाओं का सशक्तीकरण करेगी, रोजगार बढ़ायेगी और सहकारिता का दायरा फैलायेगी। ऐसी योजना है कि पांचवें वर्ष तक डेयरी को-ऑपरेटिव ही अकेले 1,000 लाख किलोग्राम दूध हर दिन इकट्ठा करें। इससे गोपालकों की आय बढ़ेगी और रोजगार भी बढ़ेगा। सहकारिता मंत्रालय की कोशिश है कि भारत दुग्ध प्रसंस्करण उपकरणों का सबसे बड़ा निर्माता भी बने। सहकारिता मंत्रालय अन्नदाताओं को ऊर्जादाता बनने के लिए प्रेरित कर रहा है। अगर किसानों को इस दिशा में प्रेरित किया जा सकेगा तो वे 10 लाख करोड़ रुपये तक के इम्पोर्ट बिल को कम कर सकते हैं। इसके लिए किसान कृषि अवशेषों से ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत तैयार करें।

आप का नजरीया

समरसता की सोच

देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने दो अहम फैसलों में स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। साथ ही यह भी कि भारतीय संदर्भ में यह सोच सदा से रची-बसी रही है। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने अपने दो हालिया फैसलों के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या की है। पहले बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया। वहीं अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता को लेकर अपनी सुविधा अनुसार व्याख्या नहीं की जा सकती। कोर्ट का निष्कर्ष यह भी था कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता शब्द जोड़े जाने से पहले भी यह भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण सोच रही है। अदालत का कहना था कि समानता व बंधुत्व शब्द इसकी मूल भावना को ही अभिव्यक्त करते हैं। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये कहा। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है। वहीं दूसरी ओर बीते मंगलवार को शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द करने के फैसले को भी अनुचित ठहराया। इसके बजाय कोर्ट ने ऐसे कदम उठाने की जरूरत बतायी जो मदरसों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ सकें। कोर्ट को मानना था कि ऐसे मामलों की की गई संकुचित व्याख्या से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इससे पहले संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से तल्ख सवाल भी किए थे। कोर्ट न जानना चाहा कि क्यों उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परहेज है। इस बाबत याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परेशानी नहीं है। उन्हें राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक लक्ष्यों के लिये कालांतर संविधान संशोधन के जरिये इस शब्द को शामिल करने पर आपत्ति है। दरअसल, अदालत का कहना था कि भारतीय जीवन दर्शन में इस सोच का गहरे तक अंगीकार किया गया है।

किसान, युवा, महिला, मजदूर, हमारे लिए यही चार जातियां : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री का प्रदेश के उपचुनाव में धुंआधार दौरा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के दुःख-दर्द को समझती है तथा किसानों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर काम कर रही है। हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि से लेकर गेहूं की एमएसपी में बढोतरी की है। प्रदेश में अब सरकार मूंग की एमएसपी पर खरीद कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई में पानी की महत्ता को समझते हुए हमने सरकार में आते ही ईआरसीपी और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक निर्णय किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की विरोधी है, क्योंकि इनके नेताओं ने तो हरियाणा विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में यमुना जल समझौते को निरस्त करने का वादा किया था। शर्मा शुक्रवार को खींवसर में विधानसभा उपचुनाव के बीजेपी प्रत्याशी रेवंतराम डांगा के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्हांने कहा कि कांग्रेस पार्टी लूट और झूठ की पार्टी है। इन्होंने अपने घोषणा पत्र में किए गये किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। जबकि हमने मात्र 10 महीने में ही संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं तथा आगे भी एक-एक वादे को पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय हुए पेपरलीक मामलों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ था। हम युवाओं की आंखों में आंसू लाने वाले अपराधियों को नहीं बख्शेंगे। सरकार द्वारा इन मामलों में अब तक 200 से भी अधिक आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। इनमें से कोई भी बचने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को समय पर आयोजित करवाने के लिए हमने दो साल का भर्ती कलेण्डर परीक्षा परिणामों की तारीख सहित निकाला है। साथ ही, हमारी सरकार युवाओं को पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देगी। जिसमें से पहले साल में ही हम एक लाख नौकरी दे रहे हैं। लगभग 33 हजार युवाओं को नियुक्तियां भी दी जा चुकी हैं। हाल ही की केबिनेट मीटिंग में लगभग 90 हजार नौकरियों का मार्ग प्रशस्त किया गया है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ जनता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मोदी कभी भी जातिवाद में यकीन नहीं रखते हैं तथा हर

तबके को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर काम करते हैं। उनके अनुसार देश में केवल चार जातियां हैं- किसान, युवा, महिला, मजदूर तथा उनकी मंशानुसार हम भी इन सभी वर्गों के उत्थान के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। हमने बजट में प्रदेश की 200 विधानसभाओं के विकास के लिए समान रूप से बजट आवंटित किया है। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ऐसा नहीं करती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागौर राजस्थान की हृदयस्थली है। यहां के जवान-किसान मजबूती से काम करते हुए प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। हम किसानों को सुचारू रूप से पर्याप्त बिजली देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 लाख 24 हजार करोड़ के एमओयू किए हैं। हमारी सरकार वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में पर्याप्त बिजली उपलब्ध करवाने के संकल्प पर भी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने आमजन से रेवंत राम डांगा को भारी मतों से जिताकर विधानसभा भेजने की अपील की। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, उद्योग राज्यमंत्री के के बिश्नोई, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री मंजू बाघमार, किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी सहित विधायक, वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्राथमिकता से लोगों की समस्याओं का हो समाधान : निशांत यादव

गुरुग्राम (हिंस)। जिला के चारों ब्लॉकों में 22 अक्तूबर से शुरू किए गए समाधान शिविरों में जिले की जनता पहुंचकर अपनी समस्याओं का शीघ्रता और मौके पर समाधान करवा सकते हैं। जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव के मुताबिक सभी अधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि मुख्य रूप से स्वामित्व योजना व प्रॉपर्टी आईडी से जुडी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्य दिवस को हर ब्लॉक के बीडीपीओ कार्यालय व नगर परिषद सोहना व पटौदी सहित नगर पालिका फर्रुखनगर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शक्रवार को सभी स्थानों पर 16 शिकायतों की सुनवाई की गई। जिसमें संबंधित अधिकारियों द्वारा निवारण की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रत्येक कार्य दिवस पर ये शिविर सुबह 9 से 11 बजे तक एक महीने तक लगातार आयोजित किए जा रहे है। डीसी ने बताया कि विशेष तौर पर स्वामित्व स्कीम से जुडी हुई ग्रामीणों की समस्या का समाधान शिविर में प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जा रहा है। प्रतिदिन समाधान शिविर में किए गए कार्यों की रिपोर्ट मुख्यालय पर सीनियर अधिकारियों को भेजी जाएगी, इसमें किसी भी किस्म की कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी। समाधान शिविर में बीडीपीओ, एसईपीओ, ग्राम सचिव, पटवारी तथा संबंधित अधिकारी मौके पर ही मौजूद रहकर समस्याओं का निपटारा करेंगे। डीसी ने निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक कर्मचारी व अधिकारी अपने अपने ब्लॉकों में ग्रामीण आंचल के लोगों को समाधान शिविर के बारे में जागरूक करें ताकि ग्रामीण इन शिविरों में आकर अपनी समस्याओं का समाधान करवा सके।

वसुधैव कुटुम्बकम के जरिए भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि भारत जीवंत संस्कृति वाला राष्ट्र है। विश्व की बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का मूल यही देश रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने ही विश्वभर को *वसुधैव कुटुम्बकम* के जरिए सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि आजादी के सौ साल पूर्ण होने का अवसर *भारत के उस गौरव को पुनः प्राप्त* करने से जुड़ा है। उन्होंने देश की समृद्ध ज्ञान परम्परा और अद्वितीय इतिहास से जुड़ी संस्कृति पर चिंतन-मनन कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। बागड़े शुक्रवार को एक निजी होटल में *जयपुर डायलॉग 2024* के वार्षिक समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की आर्थिक और सांस्कृतिक महाशक्ति बनें। यह समय हमारी सांस्कृतिक और सभ्यतागत जड़ों की ओर लौटने से जुड़ा है। उन्होंने प्राचीन भारत के वैश्विक व्यापार के केंद्र रहने की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने %आत्मनिर्भर भारत% की दृष्टि इसी संदर्भ में दी है। यह प्रधानमंत्री के पंच प्रण-विकसित भारत, मानसिक

उपनिवेशवाद के उन्मूलन, हमारी विरासत पर गर्व, नागरिकों की एकता और कर्तव्य से जुड़े हैं। यही हमारी सभ्यता के मूल सिद्धांतों का स्वाभाविक विस्तार है। राज्यपाल ने शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करने, नैतिकता के साथ राष्ट्र प्रेम से विद्यार्थियों को जोड़ने और महापुरुषों के आदर्श जीवन को अपनाते हुए उनमें राष्ट्रभक्ति के विचार भरने पर भी जोर दिया।

एकता दौड़ में दिखा उत्साह, कैबिनेट मंत्री पटेल भी दौड़े

जोधपुर (हिंस)। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जंयती के उपलक्ष में जिला प्रशासन की ओर से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य थीम के तहत शुक्रवार सुबह फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 के अंतर्गत एकता दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ में जिला प्रशासन, पुलिस, शिक्षा विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्कूली बच्चे, शारीरिक शिक्षक और विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। एकता दौड़ में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी शिरकत की। उन्होंने झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। एकता दौड़ उम्मेद राजकीय स्टेडियम से शुरू होकर नई सड़क चौराहा, मोहनपुरा पुलिया, पुलिस लाइन रातानाडा रोड, केएन कॉलेज चौराहा, राइकाबाग पुलिया, महावीर उद्यान होते हुए वापस उम्मेद राजकीय स्टेडियम आकर सपन्न हुई। इस दौरान पटेल ने स्वच्छ भारत और फिट इंडिया का संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के

उपलक्ष्य में यह दौड़ एकता और अखंडता का प्रतीक है। इस दौड़ ने देश की एकता, स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त किया है। राज्य सरकार के स्वच्छता अभियान को सफल बनाने एवं नागरिकों को स्वच्छता और स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक करने के लिए यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। पटेल ने कहा सरदार वल्लभ भाई पटेल ने राष्ट्र के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके जयंती पर्व को हम राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना हमारा सर्वोच्च कर्तव्य है। हम सभी स्वच्छ और फिट इंडिया का संकल्प लेकर स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण करेंगे। यह एकता दौड़ राष्ट्र की एकता, स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छता के प्रति आमजन को जागरूक करने में सहायक सिद्ध होगी। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों के स्वस्थ और बेहतर जीवन स्तर के लिए अनेक योजनाएं एवं कार्यक्रम चलाए जा रहे है। प्रदेश सरकार अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला, उपखंड अधिकारी दक्षिण पंकज जैन, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास समदर सिंह भाटी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणपत लाल, उपनिदेशक (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता) मनमीत कौर सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर किया मंथन

जोधपुर (हिंस)। जिले के शिक्षक संघों के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन शुक्रवार से अलग-अलग स्थानों पर शुरू हो गए जिसमें नई शिक्षा नीति, शिक्षण विधियों, शिक्षा में आने वाली समस्याओं व नवाचार के साथ शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर मंथन किया जा रहा है। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील जिला जोथपुर का दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मेहकराम विश्नोई व प्रदेशाध्यक्ष परसराम तिवाड़ी की अध्यक्षता में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सेक्टर 14 चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में शुरू हुआ।

इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि सीबीईईओ धवा प्रदीप जाणी व विशिष्ठ अतिथि जगदीश चौथरी थे। उन्होंने वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षक, शिक्षार्थी और समुदाय के हक एवं अधिकारों पर चर्चा की। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मेहक राम विश्नोई ने एनपीएस-यूपीएस हटाओ, ओपीएस बचाओ की आगामी रणनीति पर प्रकाश डाला। संघ के प्रदेश अध्यक्ष परसराम तिवाड़ी ने डीपीसी शीघ्र कराने, नीतिगत स्थानांतरण करने ऑनलाइन व गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति दिलाने के मुद्दे पर प्रकाश डाला। ओम प्रकाश गोदारा ने शिक्षा बचाने पर चर्चा की। सम्मेलन में पोला राम विश्नोई व श्रवण विश्नोई, ओम प्रकाश खिलेरी ने शिक्षक हित के मुद्दे यथा वेतन, वेतन विसंगति, भत्तों, प्रमोशन, ग्रेड पे, वरीयता, स्थानांतरण ग्रामीण भत्ते, सेवा नियमों में संशोधन, एसीपी, एमएसीपी, रिक्त पदों को भर्ती से भरना, नई शिक्षा नीति इत्यादि पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में सेवानिवृत हुए अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं का सम्मान किया गया। इसी तरह राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन और राधाकृष्णन शिक्षिका सेना जोधपुर शहर व ग्रामीण का अधिवेशन राममोहल्ला स्थित रामसिंह भाटी मेमोरियल हॉल में शुरू हुआ। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष जसवंतसिंह भाटी, शहर जिलाध्यक्ष मोहनराम जांगू और ग्रामीण जिलाध्यक्ष इंद्रविक्रमसिंह चौहान ने बताया कि सम्मेलन में शैक्षिक वातावरण को लेकर चर्चा की गई।

विश्व हिंदू परिषद ने किया 31 को दीपावली मनाने का आह्वान

फतेहाबाद (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद फतेहाबाद के जिला अध्यक्ष सन्दीप टांटिया एडवोकेट ने कहा कि दीपावली पर्व को लेकर आजकल भ्रम की स्थिति निर्मित करने की कुचेष्टा की जा रही है। सभी प्रमुख पंचागों के अनुसार 31 अक्तूबर को दीपावली मनाई जाएगी। शुक्रवार को सन्दीप टांटिया एडवोकेट ने बताया कि दीपावली पर्व की गणना महारात्रियों में होती है। शास्त्रों के अनुसार दीपमालिका ग्रंथ में सपष्ट उल्लेख है कि जिस दिन प्रदोष काल एवं महानिषिथ काल के समय अमावस्या तिथि विद्यमान हो, उस रात्रि में महालक्ष्मी व कुबेरादि का पूजन किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को सायं 4.40 बजे अमावस्या समाप्त हो रही है और प्रदोष काल एवं महानिषिथ काल दोनों ही नहीं मिल रहे हैं। इसलिए 31 अक्तूबर को ही दीपावली पर्व मनाना न्यायोचित है। टांटिया ने कहा कि इस विषय में विश्व हिंदू परिषद के अनुरोध पर अखिल भारतीय विद्त परिषद की हुई एक बैठक केंद्रीय संस्कृत विद्यालय जयपुर, में देशभर के पंचाग निर्माता एवं ज्योतिषाचार्यों की धर्म सभा में एक मत से व्यापक विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया है कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में इस वर्ष 31 अक्तूबर गुरुवार को ही मनाना शास्त्र सम्मत है।

ऑनलाइन आवेदन के दौरान हुई टेक्निकल गड़बड़ी के लिए अभ्यर्थी जिम्मेवार नहीं

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऑनलाइन आवेदन पेश करने के दौरान हुई टेक्निकल गड़बड़ी के लिए अभ्यर्थी जिम्मेवार नहीं हो सकता है। मामले में हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर ने चिकित्सा अधिकारियों के 1220 पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया में आवेदन फीस का डिमांड ड्राफ्ट लेकर आवेदक की अभ्यर्थिता कंसीडर करने के अहम आदेश दिए है। पोकरण निवासी डॉ. गजेंद्र कुमार पालीवाल की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने रिट याचिका दायर कर बताया कि निदेशालय चिकित्सा विभाग जयपुर ने चिकित्साधिकारी के 1220 रिक्त पदों हेतु इसी साल 20 मई से राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय जयपुर को भेजकर विज्ञप्ति जारी करने का कहा गया। जिस पर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय जयपुर ने विज्ञप्ति जारी कर आवेदन आमंत्रित किए। आवेदन की अंतिम तिथि एक अक्तूबर रखी गई। याचिकाकर्ता ने 30 सितंबर को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करते हुए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करवा दिया जो सफलतापूर्वक जमा हो गया।

विधानसभा में सदस्यों ने अंग्रेजी, संस्कृत पंजाबी और उर्दू में भी ली शपथ

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा की पंद्रहवीं विधानसभा के लिए शुक्रवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ज्यादातर विधायकों ने हिंदी भाषा में ही शपथ ग्रहण की। जबकि कुछ विधायकों ने अंग्रेजी व संस्कृत तो दो विधायकों ने उर्दू भाषा में शपथ ग्रहण की। पंजाबी भाषा में शपथ ग्रहण करने वाले दो विधायक हिंदी से पंजाबी भाषा में गलत ट्रांसलेशन कर गए। शपथ के दौरान अपना नाम न लेने पर पुन्हाना विधायक मोहम्मद इलियास को दो बार शपथ लेनी पड़ी। शुक्रशार को एक दिवसीय विशेष सत्र में विधानसभा के सबसे वरिष्ठतम विधायकों में शामिल डॉ. रघुबीर सिंह कादियान ने प्रोटेम स्पीकर के तौर पर सभी विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से राजभवन में रघुबीर सिंह कादियान को एक्टिंग स्पीकर के लिए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई थी। यह तीसरा मौका है जब डॉ. रघुबीर सिंह कादियान ने सभी विधायकों को शपथ दिलाई। अधिकांश विधायकों ने हिंदी में ही पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। वहीं कुछ ऐसे विधायक भी थे, जिन्होंने अंग्रेजी, संस्कृत, पंजाबी और उर्दू में शपथ ग्रहण की।

पंजाब में किसानों ने चार घंटे तक हाईवे पर यातायात रोका, लोग हुए परेशान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की मंडियों में धान की धीमी उठान को लेकर आक्रोशित किसान संगठनों ने कई स्थानों पर चार घंटे तक यातायात ठप कर राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगाया। जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक मुश्किल चंडीगढ़-दिल्ली तथा अमृतसर-दिल्ली मार्ग के यात्रियों को आई। किसान संगठनों ने बार-बार मांग करने के बाद भी धान खरीद कार्य में कोई सुधार न होने का आरोप लगाते हुए पंजाब के जालंधर, अमृतसर, खन्ना, राजपुरा, जीरकपुर सहित कई शहरों में सड़क पर जाम लगाया। जाम के दौरान राहगीरों की पुलिस तथा किसानों के साथ कई शहरों में झड़प होने की खबरें भी हैं। इस बीच लंबे समय से राजनीतिक अज्ञातवास में चल रहे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह भी आज किसानों को समर्थन देने के लिए एशिया की सबसे बड़ी खन्ना अनाज मंडी में पहुंच गए। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में कोई किसान परेशान नहीं हुआ था। पंजाब किसान मजदूर संघर्ष समिति के नेता सरवन सिंह पंधेर ने ऐलान किया है कि 26 अक्तूबर को माझा-मालवा-दोआबा क्षेत्र में हाईवे को रोका जाएगा। यह आंदोलन 26 अक्तूबर को दोपहर 1 बजे शुरू होगा और अनिश्चितकाल के लिए चलेगा। जब तक मांगें मानी नहीं जातीं, आंदोलन जारी रहेगा। यह आंदोलन पराली जलाने को लेकर दर्ज की गईं एफआईआर, धीमी गति से हो रही धान खरीद और डीएपी के मुद्दे को लेकर होगा।

महाकुंभ क्षेत्र सभी पशुओं की एक्टिविटी से पूर्णत : मुक्त रहेंगे

प्रयागराज (हिंस)। प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे स्वच्छ और सुव्यवस्थित महाकुंभ आयोजन के सीएम योगी के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां चल रही हैं। 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों के इस महाकुंभ में पहुंचने का प्रशासन का अनुमान है। कुंभ क्षेत्र में पहुंचने वाले सभी मार्गों में स्वच्छता और सुव्यवस्था कायम रहे, इसके लिए नगर निगम की तरफ से विशेष व्यवस्था की जा रही है। इसी क्रम में कुंभ क्षेत्र को जीरो एनिमल जोन बनाने का निर्णय लिया गया है। पूरे मेला क्षेत्र से सभी पशुओं को दूर रखने के लिए कार्ययोजना बनाई गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो। महाकुंभ क्षेत्र में पहली बार जीरो एनिमल जोन बनाया जा रहा है। नगर निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी विजय अमृत राज का कहना है कि महाकुंभ के आयोजन के दौरान सम्पूर्ण कुंभ क्षेत्र एनिमल एक्टिविटी फ्री जोन रहेगा। इसके अंतर्गत संगम क्षेत्र के साथ साथ नैनी, झूंसी और सिविल लाइंस के क्षेत्र भी शामिल किए गए हैं। इसके अंतर्गत इन क्षेत्रों में बड़े और छोटे सभी एनिमल्स की एक्टिविटी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने बताया कि अभी से बड़े एनिमल्स को कुंभ क्षेत्र से बाहर करने के लिए निगम की तरफ से अभियान चलाया जा रहा है। पशुपालकों को स्पष्ट निर्देश भी दिया गया है कि इस अवधि में कोई भी पशु सड़कों में बाहर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इस अभियान के अंतर्गत स्माल एनिमल्स जिसमे डॉग और कैट्स शामिल हैं, के लिए 5 शेड्स का निर्माण किया जा रहा है। परेड ग्राउंड में 2, नैनी, झूंसी और फाफामऊ में एक-एक स्मॉल एनिमल्स शेड बनाया जाएगा। जिसके लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। इन शेड्स के अंदर ही स्मॉल एनिमल्स को रखा जाएगा। यहीं उनके खाने पीने का इंतजाम किया जाएगा।

भाजपा जिला सदस्यता अभियान के तहत अस्सी हजार सदस्य बने : डॉ. शशिशेखर झा

सहरसा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला सदस्यता अभियान के संयोजक डॉ. शशिशेखर झा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान जिला के हरेक मंडल में पार्टी कार्यकर्ता शक्ति केंद्र के बूथो पर सदस्यता कर रहे है। जिला में पचास हजार ऑनलाइन सदस्यता अभी तक हो चुका है और रसीद के माध्यम से भी तीस हजार हो चुका है। जिला भाजपा सदस्यता अभियान में सभी विधान सभा में पिछली बार के सदस्यता से दोगुना सदस्य अभी तक बना चुकी है जो की एक मिसाल कायम हुआ है। जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह के अनुशंसा पर प्रदेश भाजपा ने सक्रिय सदस्यता अभियान के लिए डॉ. शशिशेखर झा के साथ सिद्धार्थ सिंह सिद्धू और मनीष कुमार को लगाया गया है। जिला सदस्यता प्रमुख डॉ. शशिशेखर झा ने बताया कि प्राथमिक सदस्यता के साथ साथ सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह को बनाकर किया गया। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सहरसा विधायक डॉ. आलोक रंजन, नगर निगम की महापौर बैन प्रिया भाजपा के प्रदेश सदस्यता अभियान की सह संयोजक लाजवंती झा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष नीरज गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह सिद्धू, सुमित सिन्हा, पंकज

पाठक, अभिषेक पांडेय, बी एन सहनी सहित कई पार्टी के नेता सक्रिय सदस्य बने। डॉ. शशिशेखर झा ने सदस्यता अभियान के मदन प्रसाद चौधरी, मनीष कुमार, पंकज पाठक, सीमा झा और सज्जन शर्मा सहित सभी मंडल के अध्यक्ष महामंत्री मंडल सदस्यता अभियान के टीम जिला के सभी पदाधिकारी लगातार लगे हुए है! भाजपा सदस्यता प्रभारी डॉ. शशिशेखर झा ने आम लोगो सहित भाजपा के समस्त कर्मठ कार्यकर्ता जल्द से जल्द इस सदस्यता अभियान का हिस्सा बनकर भाजपा को सुदृढ़ बनाने व सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और अपने बूथ या विधानसभा क्षेत्र में 50 नए सदस्यों को सदस्य बना कर पार्टी का सक्रिय सदस्य बने।

दाना तूफान के असर से पूर्णिया की गति धीमी पड़ी

पूर्णिया (हिंस)। पूर्णिया में दाना तूफान का असर धीरे-धीरे दिखने लगा है। 24 अक्तूबर से मौसम धीरे-धीरे खराब होते-होते आज 25 अक्तूबर को भी मौसम अपना मिजाज बदलते जा रहा है। कल हल्की धूप थी परंतु आज धूप ने बादल का चादर ओढ़ रखा है। कई जगहों पर बारिश हो रही है। मौसम में ठंडापन आ गया है। दिवाली के पहले बाजारों में भीड़ होती है परंतु लगातार हल्की बारिश होने के कारण बाजार की गति धीमी पड़ गई है। आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही लोग घर से बाहर निकल रहे हैं। शहर का मुख्य भट्ठा बाजार, विकास बाजार, मधुबनी बाजार, बहुमंजिला बाजार इत्यादि जगहों पर लोगों की कमी देखी जा रही है। बस स्टैंड में भी यात्रियों की कमी हो गई है। आने वाले दान तूफान को लेकर लोग शंकित हैं एवं मौसम के बदलाव पर लगातार ध्यान दे रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा पूर्णिया को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। पनिया के मैदानी इलाकों में कल और आज अच्छी खासी बारिश हुई है जिससे किसानों पर काफी असर पड़ा है। किसानों के सूखने हुए धान और अभी अभी बोए गए आलू पर पर काफी प्रभाव पड़ चुका है। जाड़े के मौसम में लगने वाले सब्जियां जैसे गोभी पत्ता गोभी धनिया, मूली, गाजर इत्यादि के बीज खेतों में डाले गए हैं । अगर पानी ने अच्छा खासा अपना असर दिखाया तो फिर इस खेती पर भी प्रभाव पड़ने के काफी आसार हैं। दाना तूफान को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारी की जा चुकी है। लोगों को सावधान रहने के लिए कहा गया है। सरकारी विभाग के कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा– दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार सृजन

वाशिंगटन/नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार सृजन को दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने विश्व बैंक से नौकरियां पैदा करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने की दिशा में देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को विश्व बैंक की एक बैठक में कहा कि रोजगार सृजन दुनियाभर में सबसे अहम मुद्दा है, खासकर लगातार आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति को देखते हुए जो श्रम बाजार को नया आकार दे रही है। सीतारमण ने 'विश्व बैंक को अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा कैसे तय करनी चाहिए तथा ग्राहकों को उभरते मेगाट्रेंड के साथ तालमेल रखने के लिए ज्यादा नौकरियों के सृजन में कैसे मदद करनी चाहिए' विषय पर एक चर्चा में यह बात कही।

सीतारमण ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि विश्व बैंक ने इससे पहले क्षेत्रीय रुझानों तथा रोजगार पर उनके संभावित प्रभाव पर कई अध्ययन किए हैं। इनमें 'हरित नौकरियां', कृत्रिम मेधा के चलन में आने के बाद नौकरियां और बदलती जनसांख्यिकी के कारण बदलाव जैसे क्षेत्र आदि विषयों पर अध्ययन किए गए हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय की मांग है कि अधिक व्यापक, बहु-क्षेत्रीय विश्लेषण किया जाए।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में विश्व बैंक से आग्रह किया कि वह डेटा, विश्लेषण तथा ज्ञान कार्य के आधार पर उच्च प्राथमिकता वाले कौशल क्षेत्रों की पहचान करने में देशों के साथ सहयोग करे, जिसमें रोजगार सृजन, कौशल मिलान और श्रम बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसमें इस बात पर गौर किया जाए कि उभरते रुझान किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं और कैसे नौकरी छूटने तथा नौकरी सृजन दोनों को प्रभावित करते हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना बैठकों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी राजधानी में मौजूद हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब मिलेगा 20 लाख रुपये तक का लोन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की मौजूदा सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया है। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में मुद्रा लोन की सीमा को दोगुना करने का ऐलान किया था। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि पीएमएमवाई के तहत ऋण की मौजूदा सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की गई है। जैसा कि वित्त मंत्री ने 23 जुलाई 2024 को केंद्रीय बजट में घोषणा की थी, उसी के अनुरूप यह बढ़ोतरी की गयी है। पीएमएमवाई में यह वृद्धि मुद्रा योजना के समग्र उद्देश्य को आगे बढ़ाने की आकांक्षा रखती है। यह वृद्धि विशेष रूप से उभरते उद्यमियों के लिए फायदेमंद है, जिससे उनके विकास और विस्तार में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि ये कदम एक मजबूत उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस की नई श्रेणी 10 लाख रुपये से अधिक और 20 लाख रुपये तक के ऋणों के लिए है। यह उन उद्यमियों के लिए उपलब्ध होगी, जिन्होंने तरुण श्रेणी के तहत पिछले ऋणों का लाभ उठाया है और उन्हें सफलतापूर्वक चुकाया है। माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड के तहत 20 लाख रुपये तक के पीएमएमवाई ऋणों की गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। पीएमएमवाई की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई। इसका उद्देश्य गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को आय-उत्पादक गतिविधियों के लिए 10 लाख रुपये तक का आसान संपार्श्विक-मुक्त माइक्रोक्रेडिट उपलब्ध कराना है।

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत-जर्मनी हरित प्रौद्योगिकी तालमेल से वैश्विक विकास को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग कला और भारत की भौतिक, डिजिटल या सामाजिक बुनियादी ढांचे में विस्तार करने की क्षमता दुनिया के लिए कुछ असाधारण बनाने में मदद करेगी। गोयल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में जर्मन बिजनेस (एपीके) के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एआई अपनाने से लेकर सेमीकंडक्टर तक देश के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने से लेकर हरित प्रौद्योगिकी पर सहयोग करने तक, भारत और जर्मनी के बीच तालमेल अभूतपूर्व विकास को गति दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की क्षमता जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग के साथ मिलकर दुनिया को लाभ पहुँचाने में सहायक होगी। गोयल ने कहा कि एशिया का जनसांख्यिकीय बदलाव व्यवसायों के लिए उपजाऊ जमीन है, जो विस्तार करना चाहते हैं और उभरते क्षेत्रों का लाभ भी उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि आज का भारत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे पर बना है। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए सुधार, लचीलापन और तत्परता दुनिया भर के व्यवसायों के लिए उपलब्ध है।

पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा, देश के कई राज्यों में बढ़े दाम

नई दिल्ली। भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। वहीं यूपी हो या दिल्ली, सब जगह पेट्रोल डीजल के भाव अलग होते हैं। ऐसे ही तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता हो गया है, जबकि कई शहरों में इनकी कीमतें बढ़ गई हैं। तो वही कुछ ऐसे राज्य भी जहां पेट्रोल-डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अगर राज्य स्तर पर पेट्रोल-डीजल के भाव की बात करें तो शुक्रवार को बिहार में पेट्रोल 14 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 13 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 30 पैसे बढ़कर 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 34 पैसे बढ़कर 87.87 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। जबकि, महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 25 पैसे घटकर 107.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 54 पैसे घटकर 90.96 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

लगातार 5वें दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

निवेशकों को 1 दिन में 6.36 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार लगातार पांचवें दिन जबरदस्त बिकवाली का शिकार हो गया। कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से इसकी चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने थोड़ी देर में ही लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके बाजार का सपोर्ट करने की कोशिश की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार की चाल में सुधार नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी जबरदस्त दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 437.43 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.36 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,021 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 853 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,088 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं, 80 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,514 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 376 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 122.18 अंक की तेजी के साथ 80,187.34 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक 188.03 अंक की बढ़त के साथ 80,253.19 अंक तक पहुंच गया। इसके थोड़ी देर बाद ही बाजार पर मंदड़िये हावी हो गए, जिससे ये सूचकांक गिरता चला गया। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2:30 बजे तक ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,115.21 अंक गिर कर 927.18 अंक की कमजोरी के साथ 79,137.98 अंक तक पहुंच गया। हालांकि कारोबार के आखिरी घंटे में हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 264.31 अंक की रिकवरी करके 662.87 अंक की गिरावट के साथ 79,402.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 18.65 अंक की मजबूती के साथ 24,418.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 40.85 अंक की बढ़त के साथ 24,440.25 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में ऊपरी स्तर से 366.35 अंक टूट कर 325.50 अंक की गिरावट के साथ 24,073.90 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद कारोबार के आखिरी घंटे में हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 100 अंक से अधिक की रिकवरी करके 218.60 अंक की कमजोरी के साथ 24,180.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईटीसी 2.25 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 1.88 प्रतिशत, ब्रिटानिया 1.02 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.92 प्रतिशत और सन फार्मास्युटिकल्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, इंडसइंड बैंक 18.63 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 4.83 प्रतिशत, बीपीसीएल 4.71 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 4.70 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद आज सर्राफा बाजार में करेक्शन होता हुआ नजर आ रहा है। आज सोने 570 रुपये से 620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम हो गई है।

सोने की कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80 हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क कर 79,610 रुपये से लेकर 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73 हजार के स्तर से नीचे गिर कर 72,990 रुपये से लेकर 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से सुस्त संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से आज सुस्त संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पूरे सत्र में दबाव का सामना करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल हुए। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव होता रहा। डाउ जॉन्स लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,809.86 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,415.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,328.78 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से यूरोप के तीनों प्रमुख सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,269.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,503.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,443 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ खुला, निवेशक 29 अक्टूबर तक लगा सकेंगे बोली

मुंबई/नई दिल्ली।
एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार, 25 अक्टूबर को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 29 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। एफकॉन्स के शेयर 4 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

शापूरजी पल्लोनजी समूह की प्रमुख एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने इस आईपीओ के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 440 से 463 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 440-463 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए करीब 5430 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है।

कंपनी इस आईपीओ के लिए 1,250 करोड़ रुपये के 2,69,97,840 फ्रेश शेयर जारी करेगी, जबकि कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर (ओएफएस) के जरिए 4,180 करोड़ रुपये के 9,02,80,778 शेयर बेच रहे हैं। इस समय एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रमोटर और प्रमोटर समूह की इकाइयों की 99 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले हफ्ते ही एफकॉन्स ने प्री-आईपीओ प्लेसमेंट में कंपनी के प्रबंधन, व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों से 2,967 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके अलावा कंपनी कर्मचारी आरक्षण हिस्से के तहत बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 44 रुपये की छूट दे रही है।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एक भारतीय समूह है। इसका इतिहास छह दशकों से ज्यादा पुराना है। कंपनी के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जटिल और चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को सफलतापूर्वक पूरा करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। इसके अलावा एफकॉन्स का समय से पहले परियोजनाओं को पूरा करने का इतिहास रहा है, जिसमें जम्मू-उधमपुर राजमार्ग प्रोजेक्ट, नागपुर मेट्रो रीच-3 और आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं शामिल हैं।

देश में 597 कंपनियों के मालिकों ने घटाई अपनी हिस्सेदारी, निवेशकों का बढ़ा तनाव

नई दिल्ली।
अक्टूबर में शेयर बाजार में आई जोरदार गिरावट से निवेशक पहले से ही परेशान हैं। इस बीच आज आई एक खबर ने उनके तनाव में और बढ़ोतरी कर दी है। इस खबर के मुताबिक देश में कम से कम 597 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही के दौरान कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग कम कर दी है यानी कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा दी है। वहीं करीब 200 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी में इजाफा भी किया है।

स्टॉक मार्केट में लिस्टेड कंपनियों में से लगभग 3,300 कंपनियों ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही के बाद अपनी शेयर होल्डिंग से जुड़े आंकड़े जारी कर दिए हैं। इनमें से 597 कंपनियों के प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी घटाई है, जबकि लगभग 200 कंपनियों के प्रमोटर्स के हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है, वहीं लगभग 2,500 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स के शेयर होल्डिंग डेटा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जब सभी लिस्टेड कंपनियों का शेयर होल्डिंग डेटा जारी हो जाएगा तो निवेशकों की हिस्सेदारी कम करने वाली कंपनियों की संख्या में और भी बढ़ोतरी हो सकती है।

शेयर होल्डिंग डेटा के मुताबिक जिन कुछ बड़ी कंपनियों में प्रमोटर्स ने अपने हिस्सेदारी घटाई है, उनमें अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, टाटा मोटर्स, स्पाइसजेट, प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स और इंटरग्लोब एवियशन (इंडिगो) के नाम शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर कंपनियों की ओर से पुराने कर्जों को निपटाने और काम का विस्तार करने के लिए प्रमोटर्स की शेयर होल्डिंग में कमी करने क ऐलान पहले ही कर दिया गया था।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी में कमी करने की बात को लेकर अधिक चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अभी प्रमोटर्स द्वारा हिस्सेदारी में कमी करने की एक बड़ी वजह शेयरों का ऊंचा वैल्यूएशन है। कई कंपनियों के प्रमोटर्स ऊंचे वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए अपनी हिस्सेदारी में कुछ कमी करके पुराने कर्जों का निपटारा कर देते हैं। वहीं कुछ प्रमोटर्स अपनी लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए भी ऊंचे वैल्यूएशन के दौरान अपने हिस्सेदारी कम करने का तरीका अपनाते हैं।

धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि प्रमोटर्स पर अपनी कंपनियां में अपनी हिस्सेदारी को बेचने पर रोक लगाने का कोई नियम नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रमोटर्स कई वजहों से अपनी हिस्सेदारी कम कर सकते हैं। इन वजहों में पर्सनल फाइनेंस की बात भी कही जा सकती है। इसके साथ ही कंपनी के रणनीतिक और व्यावसायिक फैसलों की वजह से भी प्रमोटर्स अपनी हिस्सेदारी कम करने या बढ़ाने का तरीका अपनाते हैं। कई बार प्रमोटर्स अपने पुराने कर्ज को चुकाने, पूंजी को डायवर्सिफाई करने, किसी दूसरे वेंचर में पैसा लगाने या व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता में बने रहने के लिए भी अपनी हिस्सेदारी कम करके पूंजी जुटाते हैं।

प्रशांत धामी का कहना है कि प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी कम करने की बात को लेकर तब तक चिंता नहीं करनी चाहिए, जब तक कि ये बिक्री मजबूत वैल्यूएशन और बिजनेस फंडामेंटल्स के साथ हो रही हो। ऐसा होने पर इसे व्यवसाय की स्वस्थ और सुविचारित रणनीति माना जा सकता है। कई बार प्रमोटर्स अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए पूंजी जुटाने के इरादे से भी हाई वैल्यूएशन के दौरान अपने हिस्सेदारी कम करने का तरीका अपनाते हैं।

धामी का कहना है कि निवेशकों को हमेशा ही प्रमोटर्स की हिस्सेदारी कम करने की वजहों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि जब तक प्रमोटर्स की हिस्सेदारी में कमी कंपनी के कारोबार का विस्तार करने या कंपनी के पुराने कर्जों को कम करने के लिए की जाती है, तब तक उसे गलत नहीं कहा जा सकता लेकिन अगर प्रमोटर्स व्यक्तिगत उद्देश्यों से यानी कंपनी से पीछा छुड़ाने के लिए अपनी हिस्सेदारी घटना शुरू करते हैं तो ये बात निवेशकों के हितों पर निगेटिव असर डाल सकती है।

इसी तरह अलकनंदा फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रमेश का गौतम का भी कहना है कि सितंबर की तिमाही में घरेलू शेयर बाजार लगातार मजबूती के रिकॉर्ड बना रहा था। ज्यादातर कंपनियां हाई प्रीमियम वैल्यू पर कारोबार कर रही थीं। यही वजह है कि सितंबर तिमाही के दौरान प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी कम करने का तरीका अपनाया। इनमें से कई प्रमोटर्स ने अपने कारोबार को और बढ़ाने का ऐलान भी किया है, वहीं कई प्रमोटर्स ने मार्केट में करेक्शन होने के बाद अपनी हिस्सेदारी को दोबारा बढ़ाने की रणनीति भी बना रखी है।

इसलिए निवेशकों को सितंबर तिमाही में प्रमोटर्स द्वारा अपने हिस्सेदारी में कमी करने की बात को लेकर अधिक चिंतित नहीं होना चाहिए, लेकिन उन्हें प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी कम करने की वजहों पर लगातार नजर बनाए रखना चाहिए।

इंडियन सुपर लीग 2024-25 : सदर्न डर्बी में भिड़ेंगे केरला ब्लास्टर्स और बेंगलुरू एफसी

कोच्चि। दक्षिण भारत के दो चिर-प्रतिद्वंद्वी बेंगलुरू एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी शुक्रवार रात जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की सदर्न डर्बी में भिड़ेंगे। बेंगलुरू एफसी इस समय तालिका के शीर्ष स्थान पर है जबकि केरला ब्लास्टर्स एफसी ब्लूज को इस सीजन की पहली हार देने के लिए बेकरार होंगे।

ब्लास्टर्स शुरुआती मैच पंजाब एफसी से 1-2 से हारे थे, उसके बाद उन्होंने अभी तक हार का मुंह नहीं देखा है। पिछले चार मुकाबलों में उन्होंने दो जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं।

सीजन 2019-20 की शुरुआत से लेकर अब तक, बबल सीजनों को छोड़कर, खेले मैचों में घरेलू टीम हर बार जीती है। बेंगलुरू एफसी एकमात्र ऐसी टीम है जिसने इस सत्र में अभी तक कोई गोल नहीं खाया है। उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में क्लीन-शीट रखी है।

बेंगलुरू एफसी ने मौजूदा सीजन में प्रति मैच सबसे कम (11) प्रयास किए हैं। लेकिन, मैचवीक 5 के आंकड़ों के अनुसार, उनका शॉट कन्वर्जन रेट सबसे अच्छा (14.6 प्रतिशत) रहा।

स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टाहरे के ब्लास्टर्स तय-शुदा रूटीन का पालन कर रहे हैं जिसे वे प्रत्येक मैच में दोहराना चाहते हैं। लेकिन साथ ही, वे विपक्ष की ताकत के हिसाब से अपनी योजनाओं में बदलाव करते हैं।

उन्होंने कहा, हम अधिक आत्मविश्वास के साथ तेज गति खेलना चाहते हैं। हम बहुत प्रतिस्पर्धी होना चाहते हैं। हर मैच के लिए हमारे पास अलग योजना होती हैं। हमारी रणनीति का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा वो फिलोस्फी है जिसका हम पालन करते हैं और 20 प्रतिशत बदलाव हालात के मुताबिक हम हर मैच में करते हैं।

बेंगलुरू एफसी के स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने 25 वर्षीय नौरेम रोशन सिंह पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने चार इंटरसेप्शन और नौ टैकल के अलावा एक गोल किया है, जो उनकी रक्षात्मक और आक्रामक उपयोगिता को दर्शाता है।

कोच ने कहा, रोशन रक्षात्मक रूप से सुधर रहे हैं और उन पर हमला करना बहुत मुश्किल है। हम उनके साथ ज्यादा आगे खेलने को लेकर काम कर रहे हैं क्योंकि वह विंगर के तौर पर हमारी मदद कर रहा है।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 15 मैच खेले गए हैं। केरला ब्लास्टर्स एफसी ने चार मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरू एफसी नौ बार पर विजयी रही है। दो मैच ड्रा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

कैलेंडर वर्ष में 1000 टेस्ट रन तक पहुंचने वाले सबसे युवा भारतीय बने जायसवाल

पुणे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शुक्रवार को महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन एक कैलेंडर वर्ष में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए। 22 वर्षीय बल्लेबाज ने दिलीप वेंगसरकर के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1979 में 23 साल की उम्र में 1000 रन का आंकड़ा छुआ था। वर्तमान में, जायसवाल 2024 में सबसे अधिक टेस्ट रन बनाने वालों की सूची में इंग्लैंड के जो रूट के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 14 मैचों में 1305 रन बनाए हैं। इस साल जायसवाल ने सिर्फ 10 मैचों में 59.23 की औसत से 1007 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। 2024 में तीन और टेस्ट मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास भारतीय दिग्गजों द्वारा बनाए गए कुछ सबसे बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है। सबसे खास बात यह है कि सचिन तेंदुलकर के नाम एक कैलेंडर वर्ष में किसी भारतीय द्वारा सबसे ज़्यादा टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2010 में 14 मैचों में 1562 रन बनाए थे। वीरेंद्र सहवाग के 2008 में बनाए गए 1462 रन एक साल में किसी भारतीय ओपनर द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं।

पुणे टेस्ट : भारत की पहली पारी 156 रन पर सिमटी, न्यूजीलैंड को 103 रनों की मिली बढ़त

पुणे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की पहली पारी 45.3 ओवर में 156 रनों पर सिमट गई है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 259 रन बनाए थे। इस लिहाज से न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम पर 103 रनों की बढ़त ले ली है। फिलहाल न्यूजीलैंड की दूसरी पारी शुरू हो चुकी है। कप्तान टॉम लाथम और डेवोन कॉनवे क्रीज पर हैं। पहली पारी में भारतीय टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह फेल साबित हुई। पहले दिन कप्तान रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। आज दूसरे दिन यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए पारी को आगे बढ़ाया और स्कोर को 50 तक ले गए लेकिन इसके बाद गिल आउट हो गए। गिल ने 72 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। भारतीय टीम को 56 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली ने फुल टॉस गेंद को मिस कर किया और क्लीन बोल्ड हो गए। कोहली एक रन बना सके। भारतीय टीम का 70 के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा। एक छोर पर टिके यशस्वी 60 गेंदों में 30 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऋषभ पंत भी 18 रन बनाकर आउट हो गए। इसी तरह 95 के स्कोर पर पिछले मैच के शतकवीर सरफराज खान भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और 11 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम का 103 के स्कोर पर सातवां विकेट गिरा। रविचंद्रन अश्विन चार रन बनाकर आउट हो गए। रवीन्द्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ बढ़े शॉट लगाकर टीम के स्कोर को 150 के पार पहुंचाया।

बहरीन की मेजबानी में शुरु हुआ आईएसएफ जिमनासियाड 2024

पहले दिन चीन ने जीता स्वर्ण पदक

मनामा। बहरीन की मेजबानी में गुरुवार को इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएफ) जिमनासियाड 2024 शुरु हुआ, जिसमें लगभग 70 देशों और क्षेत्रों के 5,300 से अधिक एथलीट और कोच हिस्सा ले रहे हैं।

रिफ्फा के नेशनल स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया, जिसमें विभिन्न देशों और क्षेत्रों की टीमों ने अपने झंडे के साथ मार्च किया।

चीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ध्वजवाहक टेबल टेनिस खिलाड़ी ली तियानयांग और ताइक्वांडो एथलीट ली यूकी ने किया। 55 महिला और 48 पुरुष एथलीटों वाली चीनी टीम कई खेलों में प्रतिस्पर्धा करेगी, जैसे ट्रैक एंड फील्ड, तैराकी, 3×3 बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल और टेबल टेनिस।

गुरुवार को उद्घाटन समारोह में विविध कलात्मक और खेल प्रदर्शन हुए, जो बहरीन की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं, जिसमें सहिष्णुता और भाईचारे के मूल्यों को दर्शाया गया है, साथ ही भाग लेने वाले देशों के प्रदर्शन भी हुए।

31 अक्टूबर तक चलने वाले जिमनासियाड में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, 3×3 बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, शतरंज, कलात्मक और लयबद्ध जिमनास्टिक और जूडो सहित 26 खेलों की प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। दिव्यांग एथलीटों के लिए एथलेटिक्स, बैडमिंटन और जूडो में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के पहले दिन, बीजिंग के चांगपिंग जिले के कियानफेंग स्कूल की छात्रा ली युक्सुआन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में चीन के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कराटे महिला व्यक्तिगत फॉर्म (17-18 आयु वर्ग) की ब्लू और ग्रीन बेल्ट श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया। 1972 में स्थापित, आईएसएफ एक गैर-लाभकारी अंतरराष्ट्रीय खेल संगठन है जो राष्ट्रीय स्कूल खेल निकायों को नियंत्रित करता है और छह से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करता है। 1995 से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा मान्यता प्राप्त, आईएसएफ के 132 सदस्य हैं और यह 30 से अधिक खेलों में सालाना दस से अधिक कार्यक्रम आयोजित करता है।

डब्ल्यूबीबीएलः सिडनी थंडर की कप्तान नियुक्त हुईं फोबे लिचफील्ड

सिडनी। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आगामी सीजन के लिए सिडनी थंडर ने फोबे लिचफील्ड को अपना कप्तान नियुक्त किया है। 21 वर्षीय लिचफील्ड डब्ल्यूबीबीएल इतिहास में सबसे कम उम्र की पूर्णकालिक कप्तान होंगी। उन्हें इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट से आगे नियुक्त किया गया है, जिन्होंने पिछले सीजन में टीम का नेतृत्व किया था। लिचफील्ड ने क्लब की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, सिडनी थंडर का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं इस क्लब के लिए खेलते हुए बड़ी हुई हूं और कुछ बेहतरीन लीडर्स से सीखा है, इसलिए अब खिलाड़ियों के इतने प्रतिभाशाली समूह का नेतृत्व करने का अवसर मिलना वाकई रोमांचक है। हमारे पास अनुभव और युवा प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण है, और मैं इस सीजन में टीम की कप्तानी करने की चुनौती का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। लिचफील्ड ने 16 साल की उम्र में थंडर के लिए पदार्पण किया था और 67 मैचों में 24.24 की औसत से 1212 रन बनाए हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 130.37 की औसत से 309 रन बनाए थे। थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने कहा, फोबे का थंडर का कप्तान बनना सही लगता है। वह युवा है, लेकिन खेल में उसका अनुभव इसे एक स्वाभाविक प्रगति बनाता है। फोबे हमेशा अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा परिपक्व रही है, और थंडर में शामिल होने के समय से ही उसके नेतृत्व के गुण स्पष्ट हो गए हैं। हमने देखा है कि फोबे दबाव में भी कामयाब होती है, चाहे वह विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए हो या थंडर के लिए महत्वपूर्ण क्षणों में। वह चरित्र और उदाहरण दोनों ही दृष्टि से एक बेहतरीन लीडर हैं और हम उन्हें इस भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वॉर्नर पर लगा कप्तानी प्रतिबंध हटाया

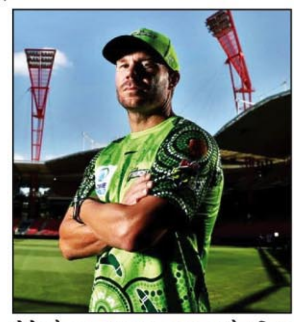

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शुक्रवार को डेविड वॉर्नर पर लगे आजीवन कप्तानी प्रतिबंध को सीए के आचरण आयोग की समीक्षा के बाद हटा दिया है। इसका मतलब है कि अब वह आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर की कप्तानी करने के पात्र हैं, 2018 में केपटाउन में सैंडपेपर घटना के बाद उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसके बाद से उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम की कप्तानी करने की अनुमति नहीं थी।

सीए ने शुक्रवार को आचरण आयोग की समीक्षा के निष्कर्ष जारी किए, जिसमें तीन सदस्यीय पैनल ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वॉर्नर ने 2022 में आचार संहिता में बदलाव के बाद प्रतिबंध हटाने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा किया है।

सीए के बयान में कहा गया, अपने निर्णय में पैनल ने उल्लेख किया कि उनके [वॉर्नर] जवाबों के सम्मानजनक और पश्चाताप भरे लहजे के साथ-साथ विषय-वस्तु ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और सर्वसम्मति से यह निष्कर्ष निकाला कि आचरण के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने में वह ईमानदार और सच्चे थे और उनके बयान में कहा गया था कि उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है।

बयान में कहा गया, पैनल ने उन संदर्भों पर भी विचार किया जिनमें वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया में युवा क्रिकेटरों के विकास में जो योगदान दिया है और भविष्य में भी दे सकते हैं, यदि उन्हें वॉर्नर के नेतृत्व में खेलने का अवसर दिया जाए, तथा विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में दक्षिण एशियाई समुदाय के बीच क्रिकेट में रुचि बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका जारी रहेगी का उल्लेख किया गया। वॉर्नर ने बॉल टैंपरिंग कांड में शामिल होने के कारण एक साल के लिए खेलने पर प्रतिबंध स्वीकार करने के बाद 2018 में नेतृत्व प्रतिबंध को संशोधित करने के लिए एक आवेदन दायर किया था। इससे पहले उन्होंने 2022 में अपने प्रतिबंध को खत्म करने के आवेदन को गुस्से में वापस ले लिया था। वॉर्नर के लिए यह लंबे समय से निराशा का स्रोत रहा है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम का नेतृत्व करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था, जबकि स्टीवन स्मिथ, जिन्हें घोटाले में शामिल होने के कारण एक साल के लिए खेलने से प्रतिबंधित किया गया था, तब से ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट और वनडे टीम दोनों की कप्तानी कर रहे हैं और वर्तमान टेस्ट उप-कप्तान बने हुए हैं।

अपने खेल प्रतिबंध के बाद से वॉर्नर को दुनिया भर की टीमों की कप्तानी करने की अनुमति दी गई थी, उन्होंने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया था।

छह साल की लंबी प्रक्रिया ने वॉर्नर को भी निराश किया था, जिन्होंने जून में टी20 विश्व कप के बाद सभी प्रारूपों से संन्यास लेने से पहले अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के अंत में ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम की कप्तानी करने का मौका मिलने की उम्मीद की थी। सीए के सीईओ निक हॉकले ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वॉर्नर पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया है।

सीरी एः बाढ़ के कारण बोलोग्ना और मिलान के बीच मैच स्थगित

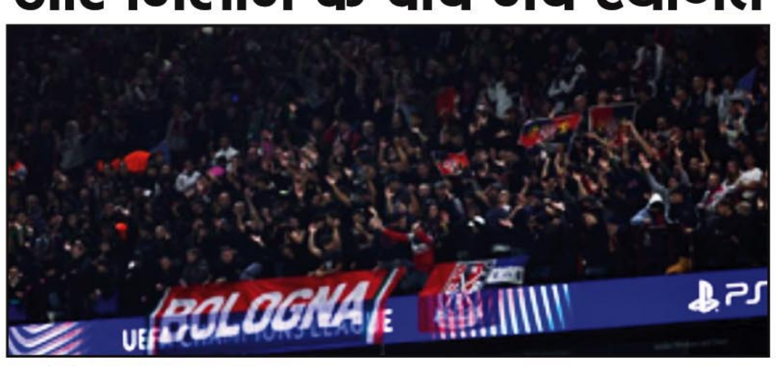

बोलोग्ना। बोलोग्ना के मेयर मैटेओ लेपोर ने कहा कि 19 अक्टूबर को बोलोग्ना में आई बाढ़ और आने वाले सप्ताहांत के लिए प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर, शनिवार को रेनाटो डेल'आरा स्टेडियम में बोलोग्ना और एसी मिलान के बीच होने वाला सीरी ए मैच स्थगित कर दिया गया है। एहतियात के तौर पर, नगरपालिका ने 25 अक्टूबर को बोलोग्ना के सभी नर्सरी स्कूलों और सभी स्तरों के स्कूलों में शैक्षणिक और शिक्षण गतिविधियों को निलंबित करने का फैसला किया है। बोलोग्ना नगरपालिका के बयान में कहा गया है, मेयर ने आज दोपहर एक अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें शनिवार, 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे रेनाटो डेल'आरा स्टेडियम में होने वाले फुटबॉल मैच को स्थगित करने का आदेश दिया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि बोलोग्ना-मिलान मैच के कारण शहर के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र एंड्रिया कोस्टा के माध्यम से लगभग 35,000 लोग डेल'आरा स्टेडियम में आएंगे, जिससे प्रशंसकों की उपस्थिति और दोपहर से लेकर रात तक पूरे आसपास के क्षेत्र में यातायात बंद होने के कारण समस्याएँ पैदा होंगी। बोलोग्ना आठ मैचों में नौ अंकों के साथ लीग में 12वें स्थान पर है, जबकि मिलान आठ मैचों में 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है, जिसमें चार जीत, दो ड्रॉ और इतने ही हार शामिल हैं।

महिला टी20 विश्व कप की पुरस्कार राशि खिलाड़ियों के बीच बराबर बांटी जाएगी : न्यूजीलैंड क्रिकेट

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने पुष्टि की है कि संयुक्त अरब अमीरात में 2024 महिला टी20 विश्व कप जीतने पर 2.3 मिलियन अमरीकी डॉलर की पुरस्कार राशि 15 टीम सदस्यों के बीच समान रूप से विभाजित की जाएगी।

पुरस्कार राशि का बंटवारा, जो चार मिलियन न्यूजीलैंड डॉलर और 19 करोड़ से अधिक भारतीय रुपये के बराबर है, का मतलब है कि प्रत्येक टीम के सदस्य को 256,000 न्यूजीलैंड डॉलर (लगभग 1 करोड़ और 29 लाख) मिलेंगे, जो उनके राष्ट्रीय अनुबंध राशि से कहीं अधिक है।

यह ध्यान देने योग्य है कि 2022 में, एनजेडसी ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों स्तरों पर पुरुष और महिला क्रिकेटरों के लिए मैच भुगतान में समानता की घोषणा की थी।

एनजेडसी की महिला सहभागिता प्रमुख जेस डेविडसन ने कहा, प्रेरणा के मामले में यह जीत निश्चित रूप से बहुत बड़ी है। एनजेडसी पिछले कुछ समय से समुदाय और मार्ग स्तर पर महिलाओं के खेल में काफी निवेश कर रहा है, और इस तरह का एक महत्वपूर्ण क्षण बिल्कुल वही है जिसकी हमें अपने शानदार खेल को और अधिक कीवी खिलाड़ियों तक पहुँचाने में मदद करने की आवश्यकता है। इस सप्ताह ही हमने देखा है कि इस ग्रीष्मकाल में क्रिकेट के लिए पंजीकरण कराने तथा महिलाओं और लड़कियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई हमारी प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आनंद लेने के लिए उत्सुक लड़कियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

सोफी डिवाइन की अगुआई वाली टीम फिलहाल अहमदाबाद में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत में है और 1 नवंबर को स्वदेश पहुंचेगी। एनजेडसी ने कहा कि न्यूजीलैंड भर में कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है, जहां खिलाड़ियों को स्थानीय प्रशंसकों से जुड़ने और उनके अटूट समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद देने का मौका मिलेगा।

जेस ने कहा, यह केवल खिलाड़ी ही नहीं हैं, हमने कीवी अंपायर किम कॉटन को टूर्नामेंट में अंपायरिंग करते हुए और पूर्व व्हाइट फर्न कैटी मार्टिन को कमेंट्री करते हुए भी देखा - यह साबित करता है कि खेल में महिलाओं के लिए कई रास्ते हैं।

एनजेडसी की महिला उच्च प्रदर्शन प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि विजयी टी20 विश्व कप अभियान न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेट के विकास के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड होगा।

उन्होंने कहा, इस समूह ने जो हासिल किया है और जिस तरह से उन्होंने खुद को आगे बढ़ाया है, उस पर हमें गर्व है। हम इस विश्व कप के दौरान टीम को मिले समर्थन के लिए आभारी हैं और न्यूजीलैंड में महिला खेल को बढ़ावा देने के लिए पर्दे के पीछे चल रहे काम को देखते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह न्यूजीलैंड में महिलाओं के खेल में अधिक भागीदारी और भागीदारी के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा, खेलने से लेकर कोचिंग तक, स्वयंसेवकों और मैच अधिकारियों तक - हम जानते हैं कि क्रिकेट सभी के लिए एक खेल है।

प्रदेश स्तरीय सबजूनियर हैंडबाल प्रतियोगिता छह नवम्बर से, मंडल स्तर पर टीमों का हो रहा चयन

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता का दौर शुरू हो गया है। कहीं हैंडबाल तो कहीं कबड्डी प्रतियोगिताओं के दिन तय हो गये हैं। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर हैंडबाल बालक प्रतियोगिता डा.भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम, अमेठी में छह से नौ नवम्बर के बीच होनी है। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर टीमों की चयन प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अजय कुमार सेठी ने बताया कि प्रदेश स्तरीय हैंडबाल के लिए लखनऊ मंडल के चयनित खिलाड़ी भी अमेठी में हिस्सा लेंगे। इसके लिए चार नवम्बर को चौक स्टेडियम में अपराह्न ढाई बजे से जिला एवं मंडल स्तरीय चयन प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि सब जूनियर बालक वर्ग के लिए प्रतिभागी की जन्मतिथि 01-01-2010 होनी चाहिए। पात्रता प्रमाण पत्र एवं जन्मतिथि प्रमाण पत्र सक्षम स्तर से निर्गत एवं प्रमाणित होना चाहिए। मंडल स्तर पर चयनित खिलाड़ी अमेठी में आयोजित हैंडबाल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

खो-खो विश्व कप 2025 में होगी वैश्विक भागीदारी, 24 देश लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने शुक्रवार को उन 24 देशों की घोषणा की जो 13-19 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली के आईजीआई स्टेडियम में होने वाले पहले खो खो विश्व कप में भाग लेंगे। यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट इस स्वदेशी भारतीय खेल के वैश्विक विकास का प्रतीक है, जिसमें छह महाद्वीपों के चौबीस देश विश्व चैंपियन के खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व कप में हिस्सा लेने वाले इन 24 देशों में अफ्रीकी महाद्वीप से घाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा, एशिया से मेजबान भारत के साथ-साथ बांग्लादेश, भूटान, इंडोनेशिया, ईरान, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और श्रीलंका, यूरोप से इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और पोलैंड, उत्तरी अमेरिका से कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण अमेरिका से ब्राजील और पेरू,जबकि ओशिनिया से ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

टूर्नामेंट की संरचना में पुरुष और महिला दोनों वर्ग शामिल होंगे, जिसमें प्रत्येक श्रेणी में 16 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह प्रारूप एक तीव्र प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है जो खो खो की गति, रणनीति और खेल उत्कृष्टता को प्रदर्शित करेगा।

पुरुष वर्ग में, घाना, केन्या और दक्षिण अफ्रीका के साथ एक मजबूत अफ्रीकी उपस्थिति होगी। एशियाई दल में मेजबान भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। इंग्लैंड और नीदरलैंड यूरोप का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि उत्तरी अमेरिका में कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। दक्षिण अमेरिका का प्रतिनिधित्व ब्राजील करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया 16 टीमों की लाइनअप को पूरा करेगा।

महिला वर्ग में देशों का एक अलग लेकिन समान रूप से प्रतिस्पर्धी समूह प्रदर्शित होता है। अफ्रीका से, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा भाग लेंगे। एशियाई प्रतिनिधित्व में मेजबान भारत, भूटान, ईरान, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और श्रीलंका शामिल हैं। यूरोपीय टीमों में इंग्लैंड, जर्मनी और पोलैंड शामिल हैं। दक्षिण अमेरिका का प्रतिनिधित्व पेरू करेगा, ओशिनिया से न्यूजीलैंड की टीम होगी।

इस बीच, पाकिस्तान ने इस पहले विश्व कप के पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्थान सुरक्षित कर लिया है, जिससे टूर्नामेंट की प्रतिस्पर्धात्मक गहराई और बढ़ गई है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आगामी विश्व कप के बारे में घोषणा करते हुए कहा, यह ऐतिहासिक चैंपियनशिप खो-खो के लिए एक बड़ी छलांग है, जो इसे एक प्रिय स्थानीय खेल से वैश्विक घटना में बदल रही है। भारत इस खेल क्रांति का नेतृत्व कर रहा है, 2025 का विश्व कप एक बड़ा कदम होगा जो खो-खो को वैश्विक खेल पारिस्थितिकी तंत्र में अगले चरण तक ले जाएगा। केकेएफआई के महासचिव एमएस त्यागी ने कहा, 24 देशों की भागीदारी खो-खो की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय अपील का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य इस पारंपरिक भारतीय खेल को वास्तव में वैश्विक खेल बनाना है, और यह विश्व कप उस लक्ष्य को प्राप्त करने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

विश्व कप की आधिकारिक टैगलाइन #TheWorldGoesKho का हाल ही में त्यागराज स्टेडियम में एक मेगा इवेंट में अनावरण किया गया, जहाँ टीम महाराष्ट्र और शेष भारत के बीच एक प्रदर्शनी मैच ने आने वाली प्रतियोगिता का एक रोमांचक पूर्वावलोकन प्रदान किया, जिसमें महाराष्ट्र ने 26-24 से जीत हासिल की थी।

पत्नीटाप में पर्यटकों को होता है अलग दुनिया का अहसास

पत्नीटाप-सनासर (जम्मू कश्मीर)। चारों ओर बिछी हुई बर्फ की सफेद चादर, देवदार तथा चीड़ के पेड़ों से गिरते बर्फ के टुकड़े सच में यहां आने वालों को नई दुनिया का आभास देते हैं। जिधर नजर दौ?ाएं, बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और उस पर दिखते हैं बर्फ की खेलों का आनंद उठाते हुए लोग, जो देश के विभिन्न भागों से आए थे। यह है पत्नीटाप का प्रसिद्ध और मनमोहक पर्यटनस्थल जहां सिर्फ गर्मियां ही नहीं बल्कि सर्दियां भी मनोहारी होती हैं।

जम्मू से 108 किमी दूर पत्नीटाप का रमणीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थल समुद्रतल से 6400 फुट की ऊंचाई पर है। लंबे लंबे चीड़ और देवदार के पेड़ हर उस शख्स को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं जो प्रकृतिप्रेमी हैं। साल भर इसकी खूबसूरत ढलानों पर जमी रहने वाली बर्फ भी पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेने की शक्ति रखती है।

जम्मू पर्यटन विभाग पत्नीटाप में बर्फ के खेलों का मजा आने वाले पर्यटकों को देने के लिए अगले कुछ दिनों में 'स्कीइंग फैस्टिवल' आयोजित करने जा रहा है। एक महोत्सव वह आयोजित कर चुका है पर उसका रंग बिना बर्फ के फीका था। जम्मू क्षेत्र में यह अपने किस्म का वार्षिक स्कीइंग फेस्टिवल होता है जिसमें पर्यटकों को स्कीइंग तो सिखाई ही जाती है और साथ ही पर्यटक बर्फ की खेलों का आनंद भी लूटते हैं।

जब कश्मीर में आतंकी घटनाओं ने देश-विदेश के पर्यटकों को गुलमर्ग के प्रसिद्ध पर्यटनस्थल से मुख मोड़ने पर विवश किया तो उत्तर प्रदेश व हिमाचल प्रदेश के बर्फीले क्षेत्र बर्फ के खेलों के विकल्प के रूप में उभर कर सामने आए थे। अब जम्मू क्षेत्र के 'पहलगाम' के रूप में जाने जाने वाला पत्नीटाप नए और महत्वपूर्ण बर्फ के पर्यटन स्थल के रूप में पूरी तरह से उभर चुका है।

पहलगाम के उपरांत पत्नीटाप को स्कीइंग स्थल के रूप में ख्याति प्राप्त करवाने में पर्यटन विभाग के जम्मू विंग का अच्छा खासा सहयोग रहा है। विभाग की मेहनत ही है कि आज पत्नीटाप में स्कींइग और पैराग्लाइडिंग करने वालों की भीड़ लगी रहती है। स्कीइंग के लिए तो पत्नीटाप की सबसे ऊंची पहाड़ी पर बनी छोटी और बड़ी स्लोपों के साथ ही पत्नीटाप के साथ लगते नथाटाप क्षेत्र को भी इस्तेमाल में लाया जा रहा है। जो आप भी खूबसूरती की एक मिसाल है। पर्यटन विभाग की ओर से अन्य स्लोपों की तलाश तथा उनका विकास किया जा रहा है ताकि स्कीइंग के लिए आने वालों की भीड़ से निपटा जा सके।

आने वाले सभी लोगों को बर्फ के खेलों का आनंद उठाने का अवसर उपलब्ध नहीं हो पाता क्योंकि स्कीइंग साल में सिर्फ सर्दियों के अढ़ाई महीनों में ही होती है। हिमाचल में यह सिर्फ दो महीने होती है पर पत्नीटाप व नत्थाटाप में यह कभी-कभी 3 महीनों तक होती रहती है क्योंकि बर्फ पिघलती नहीं है।

ऐसा भी नहीं है कि स्कीइंग न कर पाने वालों को पत्नीटाप आकर निराश होना पड़ता हो बल्कि कई बर्फ पर फिसलने वाली लकड़ी की स्लेज का मजा लूटते हैं। अन्य बर्फ के पुतले बना बर्फ के अन्य खेलों में लिप्त होते हैं। यह सब कुछ साल के सिर्फ अढ़ाई महीनों के दौरान ही इसलिए होता है क्योंकि बर्फ इसी दौरान रहती है और गर्मियों में पत्नीटाप आने वाले इन नजारों तथा अनुभवों से वंचित रहते हैं।

गर्मियों में आने वालों को निराशा होती हो ऐसा भी नहीं है क्योंकि गर्मियों में पत्नीटाप आने का अपना ही अलग लुत्फ है जो कश्मीर के मुकाबले का है। ऐसा इसलिए है क्योंकि समुद्रतल से जितनी ऊंचाई पर पत्नीटाप स्थित है उससे कम ऊंचाई पर श्रीनगर शहर है।

कश्मीर का मुकाबला करने वाले इस अनछुए पर्यटन स्थल पत्नीटाप में बर्फ की खेलों का एक रोचक पहलू यह है कि इसका आनंद उठाने वालों में अधिकतर वे लोग हैं जो पत्नीटाप से करीब अढ़ाई घंटों की यात्रा की दूरी पर स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल माता वैष्णो देवी की गुफा के दर्शनार्थ आते हैं। आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार पत्नीटाप आने वाले पर्यटकों में 80 प्रतिशत वैष्णो देवी के तीर्थयात्री ही हैं।

शरीर का हल्का-फुल्का रखने के लिए करें नृत्य का अभ्यास

पश्चिमी देशों में लोग शरीर को हल्का-फुल्का बनाए रखने के लिए कई-कई घंटों नृत्य का अभ्यास करते हैं। शरीर को छरहरा बनाए रखने की यह पद्धति भूतपूर्व सोवियत संघ के गणराज्यों में बहुत ही प्रसिद्ध है। इसके लिए संगीत की सुर-ताल और लहरियों के साथ-साथ लोग तालाब में तैरने, साइकिल चलाने, लंबे समय तक दौड़ने आदि का अभ्यास करते हैं। चूंकि इस प्रकार के व्यायामों के लिए शरीर को अधिक मात्रा में आक्सीजन की जरूरत होती है इसलिए इस प्रकार के व्यायामों को वातापेक्षी व्यायाम की संज्ञा दी जाती है।

इस प्रकार के व्यायामों के लिए वातावरण का सृजन संगीत द्वारा किया जाता है जो हर व्यक्ति को उसकी क्षमतानुसार व्यायाम करने के लिए उत्साहित करता है। इससे प्राणवायु शरीर के प्रत्येक अंग की कोशिकाओं में पहुंचकर उनको साफ कर देती है, जिससे शरीर में चुस्ती और ताजगी का अनुभव होता है। यह भी जरूरी है कि वातपेक्षी व्यायाम करते समय चेहरे पर मुस्कान हो। मुस्कान चेहरे का व्यायाम है। दूसरी ओर हंसने से हमारे भीतर ऐसे हारमोन स्रावित होते हैं जो हमें स्वस्थ्य बनाए रखते हैं। चेहरे पर यह मुस्कान आती है मनचाहे संगीत से। इस प्रकार के व्यायाम में कोई नया आयाम नहीं है। इसमें शरीर को मोड़ना, बैठना, कूदना, बाहों को आगे-पीछे मोड़ना और शरीर को मोड़ना ही शामिल है। इसे करने के लिए जरूरी नहीं कि इन्हें नियम-कानूनों के साथ किया जाए। उन्मुक्त ढंग से किया गया नृत्य भी फायदेमंद होता है।

हृदय की भावनाओं तथा संवेगों को प्रकट करने का माध्यम संगीत है। संगीत सुनना तथा उसका अभ्यास करना दोनों ही तनाव से ग्रसित मानव की शिराओं में शिथिलता प्रदान करता है। यों भी संगीत में डूबा व्यक्ति चाहे कुछ ही समय के लिए ही सही अपने दुख-विषाद को भूल जाता है जिससे मस्तिष्क तथा शरीर को तनाव से मुक्ति मिलती है, आराम व सुकून मिलता है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि संगीत मानसिक, शारीरिक तनाव तथा व्याधियों को दूर करने में सहायक है।

चिकित्सा शास्त्र के प्राचीन ग्रंथों में भी रोगों के उपचार में संगीत की महत्ता का वर्णन मिलता है। आधुनिक समय में संगीत द्वारा रोगों के उपचार का चलन बढ़ता जा रहा है। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा विभिन्न मानसिक रोगों के उपचार के लिए संगीत एक अचूक औषधि है इनके अतिरिक्त बुखार, शीतप्रकोप आदि के उपचार के लिए भी संगीत का सहारा लिया जाता है। अनेक चिकित्सकों ने आपरेशन करते समय भी रोगी को दवाइयों से बेहोश करने की बजाए संगीत सुनवाना अधिक उचित माना है। उनका मानना है कि संगीत की मधुर तरंगों में रोगी इतना मग्न हो सकता है कि शल्य चिकित्सा के असहनीय दर्द की ओर उसका ध्यान ही नहीं जाता। संगीत द्वारा अन्य रोगों के उपचार के लिए निरंतर अनुसंधान चल रहे हैं।

संगीत केवल हम मानवों को ही रोगरहित नहीं करता अपितु यह पौधों तथा जानवरों के स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह सिद्ध हो चुका है कि संगीत श्रवण से गायों में दुग्ध विसर्जन की मात्रा बढ़ जाती है साथ ही संगीत का पौधे के विकास पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

स्वास्थ्य तथा नृत्य व संगीत हमकदम हैं इसमें कोई दो राय नहीं है परन्तु साथ ही यह भी जरूरी है कि नृत्य या संगीत रोगी की पसंद का हो। व्यक्ति विशेष की प्रवृत्ति तथा स्थिति के अनुरूप भी संगीत अथवा नृत्य का चयन किया जा सकता है। यह जरूरी नहीं कि नृत्य या संगीत शास्त्रीय नियमों से बंधे हों।

इन टूल्स का प्रयोग करिए, यूट्यूब देखने में मजा आएगा

यूट्यूब पर वीडियो देखना और सुनना आपको भी पसंद हो सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप यूट्यूब के वीडियो का प्रिंट भी निकाल सकते हैं। यहां तक कि आप अपने पसंदीदा गीतों को मिक्स भी कर सकते हैं।

जी हां, यूट्यूब पर यह सब संभव है। इसमें से कुछ काम करने के लिए आपको थर्ड पार्टी ऐप, वेबसाइट या किसी एड-ऑन की जरुरत पड़ सकती है। आइए हम आपको यूट्यूब के ऐसे फीचर्स के बारे में बताते हैं।

अपने पसंदीदा वीडियो प्रिंट करिए

आप अपने पसंदीदा वीडियो को प्रिंट भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको लैबनॉल एड-ऑन की जरुरत पड़ेगी। बस आप अपने पसंदीदा वीडियो को बुकमार्क करिए और फिर इसका प्रिंट निकालिए। यह एड-ऑन, वीडियो को एक स्टोरी बोर्ड की शक्ल में पीडीएफ फाइल में कनवर्ट कर देता है।

वीडियो को जीआईएफ बनाना

अगर आप व्हाट्सऐप पर वीडियो भेजना चाहते हैं तो यह काम आप जीआईएफ फाइल के रूप में भी कर सकते हैं। इसके लिए किसी विशेष स्किल की जरुरत नहीं है। बस आप GIFs.com वेबसाइट पर जाना होगा और अपने यूट्यूब वीडियो की लिंक को वहां पेस्ट करना होगा। इसके बाद स?क्रीन पर आने वाले इंस्ट्रक्शंस को फॉलो करिए और जीआईएफ फाइल बनाइए।

वीडियो डाउनलोड करिए

यूट्यूब के वीडियो डाउनलोड करने के लिए आपको अनेकों विकल्प मिल जाएंगे। बस आपको यह देखना है कि कहीं कोई गलत वेबसाइट न सेलेक्ट हो जाए, क्योंकि इससे आपके सिस्टम पर वायरस और मालवेयर आ सकते हैं।

वीडियो के लिरिक्स

अगर आपको कोई वीडियो पसंद है तो आप उसके रिलिक्स भी यूट्यूब पर देख सकते हैं। इसके लिए आपको गूगल क्रोम वेब स्टोर पर म्यूजिकमैच लिरिक्स एक्सटेंशन एड-ऑन करना होगा। बस फिर क्या है जिस वीडियो के भी लिरिक्स देखना हैं या कॉपी करना हैं तो इस एड-ऑन का उपयोग करिए। इसकी मदद से आप वीडियो की भाषा तथा रंग भी बदल सकते हैं।

मिक्सटेप बनाना

अगर आपको डीजे बनना है या फिर डीजे की तरह संगीत सुनना और बनाना है तो आप यूट्यूब पर यह काम कर सकते हैं। इसके लिए आपको DragOnTape वेबसाइट का उपयोग करना होगा।

इस वेबसाइट पर आप अपने पसंदीदा वीडियो की लिंक पेस्ट करिए। फिर आप अपने साउंड ट्रैक एड करिए और मनचाही अवधि का डीजे म्यूजिक कंपोज़ करिए। इसे आप अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर भी कर सकते हैं।

गलती से भी फ्रिज में न रखें ये चीजें

हम में से ज्यादातर लोग सोचते हैं कि खाने की चीजों को फ्रिज में रखना अच्छा होता है लेकिन कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें कभी भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। अध्ययनों के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से इन खाद्य पदार्थों का रंग और स्वाद कुछ हद तक खराब हो जाते हैं। एक नजर-

कॉफी: कॉफी बींस को कभी भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। इसे फ्रिज में स्टोर करके रखने से फ्रिज में उपस्थित अन्य पदार्थों की महक कॉफी में लग जाती है। जैसे कॉफी को फ्रिज में रखा जाए तो यह उसमें उपस्थित अन्य पदार्थों जैसे सब्जी आदि की महक को अवशोषित कर लेती है। इससे पूरी कॉफी खराब हो जाती है।

लहसुन : लहसुन को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए क्योंकि फ्रिज में रखने के 12 घंटे बाद ही यह सूखने लगता है। लहसुन को कमरे के तापमान पर ही स्टोर करें और इसी तरह यह सुरक्षित और अच्छी स्थिति में रहता है।

टमाटर : फ्रिज में बहुत कम तापमान पर टमाटर को अगर स्टोर करके रखा जाए तो उसका स्वाद खराब हो जाता है और वे बहुत ही नरम हो जाते हैं।

शहद : अगर शहद को फ्रिज में न रखा जाए तो यह कई वर्षों तक अच्छा रह सकता है। शहद को कभी भी फ्रिज में स्टोर करके न रखें क्योंकि फ्रिज में बहुत कम तापमान होने के कारण यह जम जाता है।

प्याज : प्याज भी फ्रिज के अंदर स्टोर करके नहीं रखना चाहिए क्योंकि अगर बहुत ज्यादा समय तक फ्रिज में रखा जाए तो फफूंद लग सकती है। प्याज को काटकर रखने से इसकी परतें सूखने लगती हैं।

केला : केला स्वास्थ्य के लिए लाभदायक खाद्य पदार्थों में से एक है लेकिन इन्हें फ्रिज में रखने से ये बहुत ज्यादा पक जाते हैं और नरम हो जाते हैं। केले को फ्रिज में रखने से इसके पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं।

महिला हैं तो दफ्तर में पहनें आकर्षक फुटवेअर

हर महिला ऑफिस में स्मार्ट लुक में नजर आना चाहती है और फुटवेअर भी आपके लुक को स्मार्ट बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। आत्मविश्वास से भरपूर पेशेवर लुक के लिए आप आकर्षक डिजाइन वाले ब्लॉक हील या चौड़े हील वाले फुटवेअर पहन सकती हैं।

बाटा डिजाइन सेंटर के डिजाइनर जुआन पाब्लो मालावर ने कामकाजी महिलाओं के लिए उपयुक्त फुटवेअर के चयन के बारे में ये सुझाव दिए हैं।

भूरा, बेज (मटमैला) रंग में ढेर सारी आड़ी-तिरछी पट्टियों के डिजाइन वाले फुटवेअर आपके कलेक्शन में होना चाहिए। चाहे पंप हो, जूतियां हों या वेजस यानी चौड़े हील वाले फुटवेअर तटस्थ रंग किसी भी स्टाइल को सूट करते हैं और आपको स्मार्ट लुक देते हैं।

फॉर्मल कपड़ों के ऊपर ब्लॉक हील वाली जूतियां व सैंडिल जंचते हैं। कम या मीडियम लंबाई वाली लड़कियां इन्हें पहनकर लंबी नजर आती हैं। आप अपने आत्मविश्वास से भरपूर लुक के साथ सबको प्रभावित कर सकती हैं।

स्लीक स्टाइल वाली भूरे, बेज रंग की लोफर जूतियां आपके व्यक्तित्व को पल भर में आकर्षक लुक देती हैं। चाहे आप स्ट्रेट कट-पैंट्स, पेंसिल स्कर्ट या ढीला ट्राउजर पहनें, ये जूतियां सब पर सूट करती हैं।

वेजस हील के फुटवेअर लगभग सभी फॉर्मल कपड़ों के साथ जंचते हैं। चौड़ा हील होने के कारण पहनने के लिए भी ये आरामदायक होते हैं।

काले रंग का फुटवेअर सदाबहार है। यह हमेशा फैशन में बना रहता है। सभी कामकाजी महिलाओं के पास यह जरूर होना चाहिए, क्योंकि यह लगभग सारे कपड़ों के ऊपर सूट करता है और साथ ही अच्छा लुक भी देता है।

घूमने जाने से पहले एजेंट से जरूर पूछें ये सवाल

सबसे पहले जर्नी का मकसद तय करें। काउंसलर को अपनी जरूरतें बताएं। कहीं ऐसा तो नहीं कि आप विदेश के सी बीच का आनंद लेना चाहते हैं और स्विट्जरलैंड की बुकिंग करा रहे हैं क्योंकि वहां सिर्फ झील, बर्फ और पड़ाड ही मिलेंगे।

➲ किसी भी जगह पर जाने से पहले वहां की ज्योग्राफी और हिस्ट्री के बारे में समझ लें, ताकि उसे अच्छे से एन्जॉय कर सकें।

➲ उस जगह के खान-पान और कल्चर की पूरी जानकारी लें। अगर वेजिटेरियन हैं तो पता करें वहां क्या ऑप्शन अवेलबल हैं।

➲ हर जगह का अपना एटिकेट होता है। उस कल्चर के बारे में एजेंट से जरूर पूछें। अगर आप इटली में पिज्जा ऑर्डर करते हैं तो आपसे शेफ कैसा पिज्जा चाहिए इस बारे में पूछता है। अगर बनने के बाद उसमें आप कोई कमी निकालते हैं या कोई सॉस या किसी चीज की डिमांड करते हैं तो वो उसे अपनी तौहीन मान लेते हैं। ऐसे में आपको बेइज्जती का सामना करना पड़ सकता है।

➲टूरिज्म का मतलब ज्यादा जगहों पर पहुंचकर हाजिरी दर्ज कराना नहीं है। इसका सही मतलब ज्यादा से ज्यादा चीजों के बारे में जानना है। कहीं ऐसा तो नहीं कि ज्यादा जगह घूमने के चक्कर में आपका सारा टाइम होटल में चेक इन और चेक आउट में बीत रहा है।

➲ हो सके तो अपनी फूड हैबिट्स को जगह के हिसाब से अडजस्ट करने की कोशिश करें। मैक्सिको जाकर अपना फेवरिट फिश टिक्का या दाल फ्राई ऑर्डर करने के बजाय वहां के लोकल फूड का मजा लेने की कोशिश करें।

➲ विदेश जाने से पहले अपना मेडिकल इंश्योरेंस करवाना न भूलें। अगर विदेश में बीमार हुए या किसी एक्सिडेंट का शिकार हुए तो डॉलर में पैसे चुकाना आपको अखर सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**